दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 189 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 08 जुलाई 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

कांग्रेस भ्रष्टाचार की गारंटी, हम कार्रवाई की गारंटी: पीएम मोदी

कांग्रेस का पंजा छत्तीसगढ़ के विकास में बाधक

रायपुर/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज यहां साइंस कॉलेज मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की छत्तीसगढ़ से जुड़ी उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने संकल्प घोषित किया कि बदलबो बदलबो ऐ दारी कांग्रेस के सरकार ला बदलबो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की गारंटी है। हम भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गारंटी हैं। कांग्रेस का पंजा छत्तीसगढ़ के विकास में बाधक है। कांग्रेस के कोर- कोर में करप्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के विकास के लिए दिन रात मेहनत कर रही है। विजय संकल्प महारैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ वह राज्य है, जिसके निर्माण में भाजपा की प्रमुख भूमिका रही है। भाजपा ही छत्तीसगढ़ के लोगों को समझती है। उनकी जरूरतों को जानती है।इसलिए आज दिल्ली से भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के तेज विकास के लिए पूरी ताकत लगा रही है। आज भी यहां के विकास के लिए 7000 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। इनमें रायपुर से विशाखापट इकॉनोमिक कॉरिडोर शामिल है।यह सारी योजनाएं आपके जीवन से मुश्किलें कम करेंगी। यहां रोजगार के हजारों नए अवसर बनेंगे। 2 साल बाद छत्तीसगढ़ के निर्माण के 25 साल पूरे होने जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ युवा ऊर्जा से भरा हुआ है। कहते भी हैं कि छत्तीसगढिया सबले बढिया। अगले 2 साल छत्तीसगढ़ के विकास के लिए बहुत अहम हैं। लेकिन छत्तीसगढ़

● सभा में शामिल होने जा रही बीजेपी कार्यकर्ताओं की बस ट्रेलर से टकराई, दो की मौत- कई लोग घायल

रायपुर/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी राज्य की राजधानी में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा का चुनावी बिगुल फूंकेंगे। पीएम मोदी की सभा में शामिल होने के लिए राज्य के विभिन्न इलाकों से कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। इसी बीच सभा में शामिल होने के लिए जा रही भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बस ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि 6 अन्य घायल हो गए। हादसे के वक्त बस में कुल 40 भाजपा कार्यकर्ता सवार थे।

प्रधानमंत्री का यूपी दौरा आज, देंगे विकास की सौगात, लेंगे चुनावी जायजा

लखनऊ/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को गोरखपुर और काशी के दो दिवसीय दौरे पर हैं। पहले दिन गोरखपुर में मोदी करीब दो घंटे गुजारेंगे। वहीं काशी में वह रात्रि विश्राम करेंगे। काशी में पीएम लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों का भी जायजा लेंगे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री के जारी कार्यक्रम के अनुसार मोदी गोरखपुर में गीता प्रेस जाएंगे और ऐतिहासिक प्रिंटिंग प्रेस के शताब्दी समारोह के समापन समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान वह चित्रमय शिव पुराण ग्रंथ का विमोचन करेंगे। प्रधानमंत्री गीता प्रेस में लीला चित्र मंदिर भी जाएंगे। पीएम गोरखपुर रेलवे स्टेशन से दो वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण श्रीमती प्रिया दुबे ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

टमाटर के बाद आलू-प्याज भी हो सकता है महंगा,तेजी से बढ़ रहे हैं अदरक-मिर्च समेत इन सब्जियों के दाम

रांची।

आम तौर पर मानसून के मौसम में हरी सब्जियों और फलों के दाम बढ़ जाते हैं,लेकिन इस बार कीमतें पिछले सालों की तुलना में तेजी से बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। सब्जियों के दाम रॉकेट की रफ्तार से भाग रहे हैं। टमाटर की कीमत 150 से 180 रुपये किलो तक पहुंच गई है। वहीं अब मिर्च की कीमत भी लोगों को रुलाने लगी है। अदरक-हरी मिर्च की कीमत कुछ क्षेत्रों में 400 रुपये किलो तक पहुंच चुकी है। देश की राजधानी समेत लगभग हर राज्य में हरी मिर्च 150-200 रुपये किलो तक पहुंच गया है।वहीं,अदरक भी 350 रुपये किलो बिक रहा है। इस बीच केन्द्र सरकार ने कहा है कि कीमत में बढ़ोतरी अस्थायी है।आने वाले 15 से 30 दिन में कीमत घट जाएगी। जबकि इस कारोबार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि कीमतों में जल्द कमी आने की संभावना नहीं है। आने वाले दिनों में आलू और प्याज के दाम भी आसमान छू सकते हैं।

देश के कुछ इलाकों में मई के आखिरी और जून के पहले सप्ताह में दक्षिण पश्चिमी मॉनसून में देरी और गर्म हवाओं के असर से करीब सभी आवश्यक सब्जियों के भाव में तेजी आई है। इसमें टमाटर की कीमत सबसे ज्यादा बढ़ रही है। देश के कुछ इलाकों में जुलाई के मध्य से लेकर आखिरी तक बारिश होने से सब्जियों की कीमत में कमी आने की संभावना है। लेकिन अभी फिलहाल ज्यादा बारिश को लेकर चिंता बनी हुई है, इससे दूरस्थ इलाकों से वस्तुओं की आवाजाही पर असर पड़ सकता है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में टमाटर की कीमत 2 जून से 3 जुलाई के बीच 451 रुपये क्विंटल से बढ़कर 6,381 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई है।

बालासोर रेल हादसा मामले में सीबीआई की बड़ी कारवाई,रेलवे के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर समेत तीन लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/एजेंसी।

बालासोर रेल हादसा मामले में सीबीआई ने रेलवे के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।इसमें वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मोहंता,सेक्शन इंजीनियर मोहम्मद आमिर खान और टेक्निशियन पप्पू कुमार का नाम शामिल है।सीबीआई ने इन्हें सीआरपीसी की धारा 304 और 201 के तहत गिरफ्तार किया है। इस केस में सीबीआई की तरफ से धारा 201 को भी जोड़ा गया है जिसके तहत अपराध के सबूतों को गायब करना या गलत जानकारी देना है। आईपीसी 304 यानि गैर इरादतन हत्या का केस है। ज्ञात हो कि दो जून को बालासोर जिले में तीन ट्रेनों के आपस में टकराने से हुए भीषण में हादसे में 290 से ज्यादा लोग

मार गए थे। बाहानगा बाजार रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस मुख्य लाइन के बजाय पासिंग लूप में घुस गई और एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई। इसके बाद बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस भी पटरी पर पलटे डिब्बों से टकरा गई थी।

इधर, सरकार बाढ़ संभावित इलाकों को लेकर तैयार है। राज्य में 29 जिले बाढ़ प्रभावित हैं, जिसमे 15 को संवेदनशील माना जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि पांच हजार राहत शिविर स्थल को चिह्नित कर लिया गया है तथा छह हजार सामुदायिक रसोई बनाने की तैयारी पूरी है। बताया गया कि 21 जिलों में एसडीआरएफ की टीम जबकि पांच जिलों में एनडीआरएफ की टीम को तैनात किया गया है। बाढ़ संभावित इलाकों में 4,700 निजी नाव और 1,500 सरकारी नाव की व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को मिलने वाली राशि छह हजार रुपये से बढ़ाकर सात हजार रुपये कर दी है।

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

श्रावणी मेला महोत्सव के चौथे दिन 31073 श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2023 के चौथे दिन शुक्रवार को 31073 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 898 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।वहीशीघ्र दर्शनम से 2,69,400 रुपये,दान पेटी से 4,46,260,अन्य स्त्रोत से 6412 रुपये प्राप्त हुए।चांदी का सिक्का 10 ग्राम 1 पीस तथा 5 ग्राम का 15 पीस बिक्री हुआ।बताते चलें कि राजकीय श्रावणी मेला के चौथे दिन पूर्वाहन 02:55 को बाबा का पट खोल गया। सरकारी पूजा के उपरांत पूर्वाहन 4:06 से कांवरियों व श्रद्धालुओं ने बाबा बासुकीनाथ पर जलार्पण करना शुरू कर दिया था,जो लगातार जारी है।

शिविर लगाकर की गई पांच पंचायतों के कुष्ठ रोगियों की जांच, दी गई दवा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। पीएचसी आसनबनी में कुष्ठ रोगियो के इलाज को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। शुक्रवार को 5 पंचायतों के कुष्ठ रोगियों की जांचकर रोगियों को निःशुल्क दवा एवं किट उपलब्ध कराई गई।साथ ही टॉब एवं चप्पल उपलब्ध कराई गई हैं।मौके पर डॉ हरप्रसाद मुखर्जी,पीएमडब्लू अरुण कुमार पंडित टेक्नीशियन शेखर कुमार यादव समेत अन्य मौजूद थे।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में उतरी कोयला लदी हाईवा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। काठीकुंड थाना क्षेत्र के दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर चांदनी चौक के समीप शुक्रवार की सुबह पाकुड़ की ओर से आ रही कोयला लदी हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गड्ढे में उतर गई। जानकारी के मुताबिक इस तरह की घटना दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर अक्सर देखी जाती है और इस तरह की घटनाओं से कई लोगो की जान भी जा चुकी है। बता दें कि इस बार दुर्घटना में कि सी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार हाईवा अमड़ापाड़ा के पचुवाड़ा स्थित बीजीआर कॉल ब्लॉक से कोयला लोड कर डंपिंग हेतु दुमका यार्ड जा रही थी,इसी क्रम में थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास ये घटना घटी। गनीमत रही कि हादसें में किसी प्रकार की कोई क्षति नही हुई हैं।

उप विकास आयुक्त ने किया आंगनबाड़ी केन्द्र, बाबूपुर, शिलान्दा एवं बगझोपा का औचक निरीक्षण

निरीक्षण के क्रम में आंगनबाड़ी केन्द्र शिलान्दा एवं बागझोपा में सेविका व बच्चे दोनों अनुपस्थित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शुक्रवार को उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र,बाबूपुर,शिलान्दा एवं बगझोपा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में आंगनबाड़ी केन्द्र,बाबूपुर में सेविका एवं सहायिका उपस्थित पायी गयीं और बच्चे भी उपस्थित थे। मौके पर सेविका द्वारा बताया गया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में चावल की आपूर्ति नहीं हुई है।इस बिन्दू पर उप विकास आयुक्त द्वारा तुरन्त जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी से वार्ता करते हुए दो दिनों के अन्दर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में चावल की आपूर्ति कराने का निदेश दिया गया एवं दोनों पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि प्रत्येक माह दो बार आपस में बैठक कर अनाज आपूर्ति की समस्या का समाधान आपसी समन्वय से करना सुनिश्चित करें। आंगनबाड़ी केंद्र शिलान्दा के निरीक्षण के दौरान सेविका अनुपस्थित पायी गयीं तथा केंद्र में बच्चे भी उपस्थित नहीं थे। केन्द्र की स्थिति असंतोषप्रद पायी गयी। भवन की मरम्मति नहीं कि गयी है, विद्युत की आपूर्ति बाधित है,वाटर ×फल्टर खराब है। इस बिन्दू के आलोक में संबंधित सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका से कारण पृच्छा करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई का निदेश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्र बागझोपा में भी सेविका अनुपस्थित पायी गई एवं बच्चे भी अनुपस्थित थे। सम्बंधित सेविका से कारण पृच्छा करते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई का निदेश दिया गया। राजकीय मध्य विद्यालय, बगझोपा के निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि अभी तक प्राथमिक वर्ग में टेबल बेंच नही लगाया गया है,बच्चे दरी पर बैठे थे। इस संबंध में प्रधानाचार्य से कारण पृच्छा करने का निदेश दिया गया तथा प्रधानाचार्य को निदेशित किया गया कि अविलम्ब छात्रों को पुस्तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

दुमका के शिकारीपाड़ा में बेटे ने सब्बल से किया मां का कत्ल, ग्रामीणों ने पकड़ कर किया पुलिस के हवाले

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड की उपराजधानी दुमका के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मंझलाडीह गांव में एक कलयुगी पुत्र ने अपनी मां की सब्बल(नुकीला लोहे का रॉड) घोंप कर हत्या कर दी है. आरोपी पुत्र को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है. मृतका की पहचान रूकिया बीबी के रूप में की गई है. जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँचकर छानबीन में जुट गई है. हालांकि हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है.ग्रामीणों ने हत्यारे को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आरोपी 24 वर्षीय मानुर अंसारी को पकड़ कर रस्सी से बांध दिया. इसके बाद मामले की सूचना शिकारीपाड़ा पुलिस को दी गई जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. साथ ही मौके से मानुर अंसारी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतका रूकिया बीबी के पति की मौत एक वर्ष पूर्व हो गई है, उनके चार पुत्र हैं. आरोपी मानुर अंसारी समेत तीन बेटे उससे अलग रहते हैं. जबकि बुजुर्ग महिला अपने छोटे पुत्र के साथ रहती थी. घटना के वक्त छोटा पुत्र बाहर गया था. इसी दौरान मानूर घर में घुस आया और अपनी मां की सब्बल से प्रहार कर हत्या कर दी. मामले में पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर छानबीन कर रही है. पुलिस यह बात जानने की कोशिश कर रही है कि आखिर रूकिया बीबी की हत्या क्यों की गई है. पुलिस मामले में परिवार वालों से गहन पूछताछ कर रही है. साथ ही ग्रामीणों से भी जानकारी इकट्ठा करने की कोशिश कर रही है. वहीं घटना के बाद गांव में हत्या को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है.

बीएलओ एप्प के संबंध में 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त, दुमका निदेशानुसार सदर प्रखण्ड के सभागार में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 हेतु प्रपत्र-6, 7, 8, 6बी आधार सीडिंग और बी०एल०ओ० एप्प के संबंध में 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ किया गया। पहले दिन मतदान केन्द्र संख्या 01 से 30 के बी०एल०ओ० और बी०एल०ओ० सुपरवाईजर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी बी०एल०ओ० एवं बी०एल०ओ० पर्यवेक्षकों को मुख्य रूप से बताया गया कि बी०एल०ओ० एप्प को इस्टॉल कर प्रपत्र - 6, 7, 8, 6बी आदि कार्यो को ससमय पूर्ण करने हेतु निदेश दिया गया। साथ ही सभी बी०एल०ओ० को बी०एल०ओ० ऐप का प्रशिक्षण कम्प्यूटर ऑपरेटर के द्वारा दिया गया। जिन बी०एल०ओ० का मोबाईल नम्बर ई0आर0ओ0 नेट में पंजीकरण नहीं है उन सभी बीएलओ० का ई०आर०ओ० नेट में पंजीकरण कम्प्यूटर ऑपरेटर के द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त प्रपत्र - 6, 7, 8 का चेकलिस्ट को ससमय फिल्ड वेरिफिकेशन कर कार्यालय में सत्यापित प्रति जमा करने का निदेश दिया गया । की जानकारी दिया गया जिसके तहत 01 जून 2023 से 16 अक्टूबर 2023 तक प्री-एक्टीवीटीज कार्यक्रम किया जायेगा जिसके तहत 21 जुलाई 2023 से 21.08.2023 तक बी०एल०ओ० के द्वारा घर-घर जाकर सत्यापन किया जाना है। इसके अतिरिक्त ब्लैक एण्ड ''ईट फोटो तथा खराब गुणवत्ता वाली फोटो के स्थान पर अद्यतन रंगीन फोटो प्रपत्र-8 के माध्यम से बदलने का निदेश दिया गया। बैठक में प्रभारी प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, दुमका, कम्प्यूटर ऑपरेटर आदि उपस्थित थे ।

पक्की सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया दुमका सिउड़ी मुख्य पथ को 6 घंटे तक जाम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा प्रखंड के गंद्रकपुर पंचायत अंतर्गत दरबापुर के ग्रामीणों ने सड़क की मांग को लेकर दुमका सिउड़ी मुख्य पथ को 6 घंटे तक जाम कर दिया।सूचना पर पहुंचे प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी द्वारा एक माह के अंदर पीसीसी पथ निर्माण कराए जाने के आश्वासन के बाद जाम समाप्त किया।जाम से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग लग गई। इस दौरान जाम कर रहे लोगों ने सरकार तथा स्थानीय विधायक के विरोध में जमकर नारे भी लगाएं ।ग्रामीणों का कहना है कि गंद्रकपुर से दरबापुर की दूरी तकरीबन दो किलोमीटर है।कच्ची सड़क रहने से बरसात के दिनों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ज्ञात हो कि सड़क की मांग को लेकर 2019 में ग्रामीणों द्वारा वोट वहिष्कार किया गया था।उस समय तत्कालीन उपायुक्त द्वारा प्रखंड विकास पदाधिकारी शिकारीपाड़ा को भेजकर ग्रामीणों को बताया गया था कि उस पथ का कनीय एवं सहायक अभियंता द्वारा प्राक्कलन बनाकर पक्कीकरण किया जाएगा।बीडीओ के आश्वासन पर ग्रामीणों ने वोट दिया था,लेकिन चार साल बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस है, आश्वासन के बावजूद पक्की सड़क नही बनी।आदिवासी बाहुल्य

ए एन कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत वन महोत्सव

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आदित्य नारायण महाविद्यालय, दुमका में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा वन महोत्सव मनाया गया।वन महोत्सवर कार्यक्रम के अन्तर्गत सफेद चंदन का पौधा एवं पान के लता का रोपण किया गया।इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में भाग लेने वालों में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉक्टर चंपक लता कुमारी, डॉ संजय पाठक, प्रोफेसर राजीव रंजन सिंह, डॉ प्रमोद कुमार झा, प्रोफ़ेसर अनहद लाल, वरशर डॉक्टर नवीन कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अनिल कुमार सिंह, डॉक्टर मिथिलेश कुमार सिंह, डॉक्टर सुमन सिंह, डॉक्टर अभय कुमार सिंह, डॉ अमरकांत पोद्दार, डॉ रीता सिन्हा, प्रोफेसर नीरज कुमार झा, प्रोफेसर सुलेमान हांसदा, डॉक्टर सुशील कुमार सिंह, डॉ प्रवीण कुमार सिंह, प्रोफेसर यशवंत कुमार सिंह, डॉक्टर अखिलेश कुमार सिंह, डॉक्टर मणिकांत मंडल, डॉक्टर बसंत सिंह, प्रोफेसर प्रीतम प्रियेश, प्रोफ़ेसर कुमार मनोज, प्रोफेसर रजनीश आनंद आदि ने भाग लिए।महाविद्यालय कर्मी से भाग लेने वाले में अमरेंद्र कुमार, दिनेश पंडित, गौरव कुमार, मंजु गुप्ता, दीपक रजक, लुखिन सोरेन, पौधारोपण में विशेष सहयोग करने वाले बाबूलाल आदि ने भाग लिए।छात्रों में भाग लेने वालों में सेमेस्टर-3 से विशाल कुमार, सुदीप कुमार, सेमेस्टर-1 से अनूप हेंब्रम, जिया राम मरांडी, साक्षी कुमारी आदि ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिये।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई से 7 जुलाई तक महोत्सव मनाया जाता है, जिसके अंतर्गत नए पौधों का रोपण, पुराने पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया जाता है, जिससे हमारा पर्यावरण का जो चक्र है, यह शुद्धता को बनाए रखता है।आइए हम सब मिलकर अपने माध्यम से, अपने महाविद्यालय परिसर के माध्यम से हम संदेश देने का प्रयास करें कि पौधा हमें एवं पशु, पंक्षी के आश्रय, फल, छांव, ऑक्सीजन से लेकर अनेक तरह के उपहार के रूप में प्रदान करते हैं।अपने एवं परिजनों के जन्मदिन पर, विवाह दिवस पर एक पौधा अवश्य लगाए।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

डीसी ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने को लेकर सदर अस्पताल के सभागार में अधिकारियों के साथ की बैठक

पाकुड़/झारखंड देखो।

जिले में स्वास्थ्य सेवा को दुरुस्त करने को लेकर उपायुक्त वरुण रंजन लगातार प्रयासरत हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को लेकर उपायुक्त वरुण रंजन ने गुरुवार देर शाम को सदर अस्पताल के सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। उपायुक्त वरुण रंजन ने बैठक के दौरान कहा कि विशेषज्ञ डॉक्टरों की सूची तैयार एवं इमरजेंसी डॉक्टर की सूची प्रतिदिन डिस्प्ले बोर्ड पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया। रजिस्ट्रेशन काउंटर पर आए रोगियों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि किस विभाग में जाकर दिखाना है। ई-हॉस्पिटल की शुरुआत 15 जुलाई तक प्रारंभ करने, लैब की सेवा 24 घंटे प्रारंभ रखने एवं सदर अस्पताल में होने वाले टेस्ट की होर्डिंग लगाने का निर्देश दिया।

सदर अस्पताल में बिजली को दुरुस्त करने एवं बल्ड बैंक को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। सभी वार्डों में सातों दिन सात कलर का बेडशीट की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अस्पताल की सफाई नियमित रूप से होनी चाहिए और आमलोगों को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए, ताकि सदर अस्पताल की एक अच्छी छवि बने। मौके पर सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, निदेशक डीआरडीए श्री संजय कुमार दास, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला भीबीडी पदाधिकारी डॉ अमित समेत अन्य चिकित्सक एवं कर्मी उपस्थित थे।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्या

पाकुड़/झारखंड देखो। उपायुक्त वरुण रंजन ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने हेतु अनुरोध किया। जनता दरबार में आये समस्याओं का अवलोकन करते हुए डीसी ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से बैंक, जाति प्रमाण पत्र, शिक्षा विभाग, जिला पंचायत राज कार्यालय आदि से सबंधित कई आवेदन आये जिसे उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

बायोमेट्रिक पर्ची निकालने के बावजूद लाभुकों को नही मिली राशन

हिरणपुर(पाकुड़/झारखंड देखो।

बायोमेट्रिक पर्ची निकालने के बावजूद जून माह की राशन न दिए जाने को लेकर दर्जनों लाभुकों ने शुक्रवार को प्रखंड के धोवाडांगा पंचायत अंतर्गत भंडारों स्थित पीडीएस डीलर जेठा टुडू के दुकान में हंगामा बरपा। वही डीलर मौके से भाग निकला। डीलर द्वारा बीते जून माह में पोषक क्षेत्र धोवाडांगा, जियाजोरी, बेलडीहा व पाडेरकोला गांव के करीब 200 लाभुकों की बायोमेट्रिक सिस्टम से पर्ची निकालकर राशन का वितरण नही किया। लाभुक बड़का मुर्मू, छोटो सोरेन, कहां सोरेन, होपनमय किस्कु, तालामय हेम्ब्रम, गोविन सोरेन, शिवलाल राय आदि ने बताया कि बीते जून माह में राशन लेने आये थे। डीलर द्वारा ऑनलाइन पर्ची निकालकर हमे दिया व कहा कि राशन आने पर वितरण कर देंगे। पर अभी तक राशन नही दिया। इसको लेकर

हम सभी लाभुक बीते चार जुलाई को घाघरजानि स्थित प्रखंड कार्यालय में जाकर एमओ रामकुमार साहा से लिखित शिकायत किया गया। जहां एमओ ने आश्वस्त किया था कि सात जुलाई को डीलर राशन का वितरण कर देंगे। अन्यथा डीलर के ऊपर करवाई की जाएगी। निर्धारित तिथि को हम सभी लाभुक जब डीलर के पास पहुंचे तो दुकान बंद पाया गया। वही डीलर भी नही था। इसको लेकर उपायुक्त से शिकायत करेंगे। वही कई लाभुकों ने कहा कि हमे मई व ग्रीन कार्ड का भी राशन नही दी गई है। धोती -साड़ी भी नही मिला है। हम सभी गरीब लोग है। डीलर द्वारा हम लाभुकों से मनमानी की जा रही है। उधर दुकान के बाहर उपस्थित धोवाडांगा पंचायत के मुखिया एंथोनी सोरेन, कृष्ण साहा आदि ने भी बताया कि डीलर द्वारा जून माह की राशन वितरण में गड़बड़ी की जा रही है। इसको लेकर विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई करना आवश्यक है। इस सम्बंध में बीडीओ उमेश कुमार स्वांसी से सम्पर्क करने पर बताया कि राशन वितरण में हुई अनियमितता को लेकर जांच की जाएगी। इसमे गलती पाए जाने पर डीलर के ऊपर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल लाभुकों को अभी तक जून के साथ साथ जुलाई माह का भी राशन नही मिल पाया है। जिसकारण सभी लाभुक काफी आक्रोशित है।

पीएम किसान के लाभ हेतु ई-केवाईसी आधार एवं लैंड सिडिंग करना अनिवार्य

पाकुड़/झारखंड देखो। जिला के सभी पंचायत भवन में 10 जुलाई से 31 अगस्त 2023 तक ई-केवाईसी लैंड सीडिंग एवं आधार सीडिंग कार्य हेतु विशेष शिविर का आयोजन पंचायत भवन में किया जाएगा. पीएम किसान के तहत 14 वीं किस्त जारी करने के लिए भारत सरकार ने सभी लाभार्थियों के लिए पीएम किसान के तहत लाभ प्राप्त करना जारी रखने के लिए ई-केवाईसी, लैंड सीडिंग और आधार सीडिंग करना अनिवार्य कर दिया है। कृषि निदेशक झारखंड रांची के

निर्देशानुसार पाकुड़ जिला के सभी पंचायत भवन में दिनांक 10 जुलाई से 31 अगस्त 2023 तक विभिन्न तिथियों को ई-केवाईसी लैंड सीडिंग एवं आधार सीडिंग कार्य हेतु विशेष शिविर का आयोजन पंचायत भवन में किया जाएगा। इसमें मोबाइल से फेसियल एप्लीकेशन के द्वारा एवं प्रज्ञा केंद्र के द्वारा किसानों का ई-केवाईसी का कार्य किया जाएगा। पाकुड़ जिला में 101231 पीएम किसान के रजिस्टर्ड लाभुक हैं जिसमें से 27,648 किसानों का ई-केवाईसी बकाया है। 45582 किसानों का लैंड सीडिंग बकाया है और 8343 किसानों का आधार सीडिंग बकाया है। प्रखंडवार अमड़ापाड़ा के 1652 किसान, हिरणपुर के 2336 किसान, लिट्टीपाड़ा के 4172 किसान, महेशपुर के 9637 किसान, पाकुड़ के 6928 किसान एवं पाकुड़िया के 2923 किसानों का ई-केवाईसी करना बकाया है। इसी तरह से अमड़ापाड़ा में 3274 किसान, हिरणपुर में 4491 किसान, लिट्टीपाड़ा में 5224 किसान, महेशपुर में 15277 किसान, पाकुड़ में 12055 किसान और पाकुड़िया में 7261 किसानों का लैंड सीडिंग का काम बकाया है। इस विशेष शिविर में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे जो कि आधार सीडिंग का काम करेंगे एवं खाता खुलवाने हेतु लाभुक की उपस्थिति, आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर अनिवार्य है। एक मोबाइल नंबर से एक ही खाता खुलेगा। खाता खोलने हेतु लाभुक को 200 रुपए देना होगा जिसमें 176 रूपए फीस के रूप में कट जाएगा। पीएम किसान के ऐप से फेशियल एप्लीकेशन के माध्यम से किसानों का ई-केवाईसी करवाया जाएगा। जिला कृषि पदाधिकारी पाकुड़ श्री अरुण कुमार जिला के सभी किसानों से अपील किया है कि कैंप में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और अपना पीएम किसान का अधूरा बकाया काम को पूरा करवाएं। इस कैंप में झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के छूटे हुए लाभुकों का भी ई-केवाईसी एवं पीएम किसान के छूटे हुए किसानों का केसीसी का फॉर्म भी भरा जाएगा। किसान अपनी समस्या के लिये किसान मित्र, सहायक तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी या अंचल कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं।

नियमित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें सीडीपीओ

पाकुड़/झारखंड देखो।

समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त वरुण रंजन ने समाज कल्याण विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति का समीक्षा कर दिया जरूरी दिशा- निर्देश. बैठक में उपायुक्त वरुण रंजन ने क्रमवार सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका का चयन, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, समय/आंगनबाड़ी केंद्र में स्कूल पूर्व शिक्षा के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जिला शिक्षा पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर विद्यालयवार योजना के तहत आहर्ता पूर्ण करने वाले छात्रों की सूची प्राप्त करने एवं उन्हें योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। 18 वर्ष से 20 वर्ष के

मतदाता सूची में दर्ज किशोर/किशोरियों का एक सप्ताह के अंदर सर्वे करवाकर योग्य लाभुकों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। वहीं उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका-सहायिका का 51 पोस्ट खाली है,आमसभा के माध्यम से चयन करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण के समीक्षा क्रम में कहा कि अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर भूमि का चयन करें। समीक्षा के दौरान सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा खुशहाल बचपन के अन्तर्गत चयनित आंगनबाड़ी केन्द्रों के प्री स्कूल शिक्षा का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। मौके पर निदेशक डीआरडीए संजय कुमार दास, जिला योजना पदाधिकारी विजन उरांव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी, पाकुड़ सीडीपीओ चित्रा यादव, एसएमपीओ पवन कुमार महिला पर्यवेक्षिका समेत अन्य उपस्थित थे।

खेती में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जिला प्रशासन की पहल ला रही है रंग

विनोद कुमार दास/विजय रविदास।

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। कृषि क्षेत्र में महिला समूहों की भागीदारी बढ़ाने की सरकार की पहल रंग ला रही है। इस कड़ी के बीच कृषि विभाग व ग्रामीण विकास विभाग झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में मिनी ट्रैक्टर सखी मंडल महिलाओ को देकर उनकी आय को दुगुनी करने की दिशा कामगार साबित होते दिखाई दे रही है। सरकार का यह कदम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना तो है ही , साथ ही यह कदम कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित हो रहा

खेतों में मिनी ट्रैक्टर चला रहीं सखी मंडल की महिलाएं

है। अब महिलाएं भी खेतों में ट्रैक्टर चलाती नजर आ रहीं हैं। जिला प्रशासन व झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी जहां आधुनिक कृषि यन्त्र/उपकरणों से खेती में सहयोग कर रहा है ।वहीं सखी मंडल की महिलाए खेती को बड़ावा देने के लिए अन्य बड़े ट्रेक्टर की अपेक्षा कम रुपए में खेतों को जोत कर उपज के साथ साथ आमदनी भी कर रहीं हैं। हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत धोवाडांगा गांव के लखी आजीविका सखी मंडल की दीदी महामहिम राज्यपाल के कार्यक्रम में मिनी ट्रेक्टर प्राप्त करके खाफी उत्साहित होकर खेतो को जोताई करके अच्छा आमदनी कर रही है। समूह के अध्यक्ष लक्ष्मी देवी का कहना है, समूह की सभी दीदियों को कृषि यन्त्र मिलने से खेती में बहुत सहूलियत हुआ है, साथ ही खेत तैयार करने में लागत भी काम लग रहा है जहां अन्य टैक्टर 1100 से 1200 रुपए प्रति घंटे की दर से खेत तैयार करने का ले रहे हैं वही सखी मण्डल को दीदियों को 800 रुपए प्रति घंटे तक का खर्च आ रहा है, दीदियों का कहना है खरीफ के सीज़न के कारण प्रति दिन टैक्टर 5- 6 घंटे चल रहा है जिससे 2500 रुपए तक प्रति दिन की कमाई हो रहा है,

इस सम्बन्ध में प्रखंड प्रमुख रानी सोरेन

» प्रमुख रानी सोरेन ने बतायी की सखी मंडल से जुड़ी प्रखंड की महिलाए हर क्षेत्र में आगे बड़ रही है। प्रशासन व झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की पहल जमीन स्तर पर देखा जा रहा है ।जो काफ़ी प्रसंशनीय है।

संक्षिप्त समाचार

लॉटरी टिकट बेचते हुए दो व्यक्ति को किया गिरफ्तार

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। शुक्रवार सुबह हिरणपुर पुलिस ने हिरणपुर थाना क्षेत्र के डांगापारा चौक और रानीपुर पेट्रोल पंप के पास से दो लॉटरी विक्रेताओं को कुल 138 पीस जिसका मूल्य लगभग 12000 होता है एटीएम लॉटरी के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजें। उक्त गिरफ्तारी के बाद लॉटरी बिक्रेताओं में हड़कंप मची है। हिरणपुर थाना कांड संख्या 65/23 के अनुसार हिरणपुर थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने गुप्त सूचना के आधार पर स. अ. ना. अरविंद कुमार को पुलिस बल के साथ डांगापारा चौक भेजे जहां हिरणपुर नामोपारा निवासी दिवाकर दत्ता उर्फ चाईना लॉटरी बेचते रंगे हाथ धर दबोचा, चाइना के पास से तलाशी लेने पर 98 पीस लॉटरी टिकट बरामद हुआ, जबकि डांगापारा से लौटते वक्त रानीपुर पेट्रोल पंप के पास घूम घूम कर लॉटरी भेजते हुए हिरणपुर बाजार अंतर्गत लक्ष्मी- गणेश टोला निवासी बासकी भगत को 40 पीस एटीएम लॉटरी के साथ धर दबोचा। घटना के बाबत लॉटरी अधिनियम एक्ट 1998 एवं धारा 420/ 290 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

विजा पंडित बीते 1 जुलाई से लापता

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड अंतर्गत गोविंदपुर निवासी कामदेव पंडित ने अपने भाई 30 वर्षीय विजा पंडित बीते 1 जुलाई से अपने घर से लापता होने का सनहा हिरणपुर थाना में दर्ज कराया है। अपने आवेदन में कामदेव पंडित ने कहा है कि भाई आंशिक रूप से बिपक्षित है जो 1 जुलाई से अपने घर से लापता है, लापता वीजा पंडित का पत्नी और 2 बच्चे भी हैं काफी ढूंढने के बाद भी नहीं मिला है, उन्होंने सनहा दर्ज करते हुए भाई का पता लगाने का अनुरोध किया है।

मुखिया ने कराया आठ बच्चो का विद्यालय में नामांकन

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो। प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालय में बच्चो का नामांकन अभियान चल रहा है. शुक्रवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय रोड़गो में लिट्टीपाड़ा पंचायत के मुखिया शिव टुडु की अगुवाई में आठ बच्चो का नामांकन लिया गया. मुखिया ने आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर जो बच्चे छ वर्ष के हो गए है और आंगनबाड़ी से निकल गया है, वैसे बच्चे के अभिभावक से सम्पर्क कर मुखिया ने विद्यालय में नामांकन कराने का आग्रह किया. ग्रामीणों को सीआरपी वरुण रजक ने जागरूक किया. उन्होंने ग्रामीणों को विशेष कर छिजित बच्चो को पुनः विद्यालय में नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया. सीआरपी ने शिक्षित व अशिक्षित बच्चो अंदर समझाया. जिससे प्रेरित होकर मुखिया की उपस्थित में आठ बच्चो के अभिभावक स्वयं विद्यालय पहुँचकर अपने बच्चो का नामांकन करवाया. आयुष राज,जीवन मुर्मू व जेवी टुडु ने प्रथम कक्षा में बेजल हेम्ब्रम व सन्दीप मड़ैया ने वर्ग तृतीय में, साक्षी प्रिया,जुलियस मुर्मू व चारलेस बेसरा ने वर्ग पंचम में नामांकन करवाया. मोके पर प्रधान शिक्षक जामिन टुडु भी उपस्थित थे.

मशरूम खेती पर दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पाकुड़/झारखंड देखो। शुक्रवार को सदर प्रखंड के सोनाजोड़ी स्थित भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा मशरूम खेती पर दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसका विधिवत उद्घाटन निदेशक आरसेटी पाकुड़ कृष्णा दास और वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक आरसेटी पाकुड़ अमित कुमार वर्धन ने संयुक्त रुप से किया। निदेशक आरसेटी पाकुड़ कृष्णा दास ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए मशरूम के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आय में वृद्धि के कई उपाय बताते हुए हौसला अफजाई की। वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक आरसेटी पाकुड़ अमित कुमार वर्धन ने कहा कि वर्तमान समय में हुनरमंद होना नितांत आवशयक है। मशरूम की खेती कर स्वालंबी बन सकते हैं। इसकी मांग बाजार में काफ़ी है। अतः इसमें आय की संभावना काफ़ी हैं। पाकुड़ जिला की युवाओं और महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षुओं को मशरूम खेती के साथ ही विपणन, उदमी योग्यता, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंकिंग, बीमा आदि से संबंधित जानकारी दी जाएगी। आज के इस कार्यक्रम में संकाय वापी दास, कार्यलय सहायक शिबू कुनाई, मोतीलाल साहा मौजूद रहे। इस कार्यक्रम की प्रशिक्षक देबघर के विजय कुमार हैं।

तीन दिवसीय विधायिका प्रशिक्षण पाठशाला का शुभारंभ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर। शुक्रवार को जमशेदपुर स्थित निर्मल भवन में झारखंडी खतियानी मोर्चा की ओर से 7,8 और 9 जुलाई तीन दिवसीय विधायिका प्रशिक्षण पाठशाला शुभारंभ हो गई है । शुक्रवार को विधिवत रूप से प्रशिक्षक के रूप में सूर्य सिंह बेसरा, सुरेंद्र लाल सोरेन(वरिष्ठ पत्रकार) एवं रामनरेश यादव (पूर्व आईआईटी कानपुर) मिलकर संयुक्त रूप से इस अभियान का उद्घाटन किया । कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सूर्य सिंह बेसरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा झारखंडी खतियानी मोर्चा की ओर से ₹विधायिका प्रशिक्षण पाठशाला₹ अभियान के तहत 6 माह का पाठ्यक्रम तैयार किया गया है; जिसे कोल्हान प्रमंडल के लिए 7 ,8 एवं 9 जुलाई को तीन दिवसीय कार्यक्रम आहूत किया गया है । उसी प्रकार पलामू प्रमंडल के लिए नेतरहाट में 4-5 6 अगस्त को आयोजित किया गया है। उत्तरी छोटनागपुर के लिए धनबाद में 1,2 और तीन सितंबर को तथा संथाल परगना प्रमंडल के लिए 6,7,8 अक्टूबर को तथा दक्षिणी छोटानागपुर के लिए रांची में 1,2,3 दिसंबर को तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित की गई है ।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है आगामी 2024 में झारखंड राज्य के अंतर्गत 14 लोकसभा सीट तथा 81 विधानसभा सीटों के लिए संभावित उम्मीदवारों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना है उसके लिए शुक्रवार को निर्मल भवन में विधिवत रूप से पाठशाला का उद्घाटन किया गया उसके उपरांत दोपहर को श्रीनाथ यूनिवर्सिटी आदित्यपुर के अंतर्गत सभागार में दूसरी पारी की कार्यशाला आहूत किया गया जिसका विषय वस्तु था भारत का संविधान भारत के संविधान का इतिहास को पाठ पढ़ाया गया और अनुच्छेद 1 से अनुच्छेद- 395 तक तथा जितने भागों को विभाजित किया गया है। पांचवी अनुसूची से लेकर छठी अनसूची को तीसरी पाली में संविधानिक पाठ पढ़ाया गया । वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र लाल सोरेन ने मीडिया की भूमिका तथा प्रेस पब्लिक और संचार विषय पर अपना विषय वस्तु प्रस्तुत किया । अंत में पूर्व आईआईटी कानपुर के डॉक्टर राम नरेश यादव ने धन्यवाद ज्ञापन किया ।इस कार्यक्रम में कूल 15 उम्मीदवारों ने भाग लिया जबकि आगामी 8और 9 जुलाई को निर्मल भवन में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार कार्यक्रम चलेगी।

संक्षिप्त समाचार

एस पी कॉलेज में वन महोत्सव का समापन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि/दुमका। संताल परगना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी यादव के नेतृत्व में पिछले 1 जुलाई से लगातार वन महोत्सव के तहत पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस महोत्सव में कॉलेज में दो हज़ार फलदार पौधे लगाने का लक्ष्य है। वन महोत्सव के समापन के मौके पर कॉलेज प्राचार्य डॉ यादव ने कहा कि वन महोत्सव भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने के लिए प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में आयोजित किया जाने वाला एक महोत्सव है। यह 1950 के दशक में पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करने वाला एक आंदोलन था। इस कार्यक्रम की शुरुआत से ही महाविद्यालय के अनेकों शिक्षकों के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ वेद प्रकाश सहाय, डॉ कुमार पीयूष, डॉ त्रिजा जेनिफर टोप्पो, डॉ सत्यम कुमार, डॉ अविनाश हांसदा, प्रो बसंती हांसदा, डॉ अमिता हेम्ब्रम, डॉ कमल शिवकांत हरि, के साथ-साथ कॉलेज कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमार सौरभ ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आक्रोशित आदिवासी संगठनों ने किया भाजपा नेता का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि/दुमका। मध्यप्रदेश में भाजपा नेता प्रवेश शुक्ला द्वारा एक आदिवासी युवक के ऊपर पेशाब करने की घटना से आक्रोशित आदिवासी मूलवासी मोर्चा एवं युवा संघ के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार की शाम शिकारीपाड़ा मुख्य बाजार में प्रवेश शुक्ला का पुतला दहन किया। पुतला दहन कार्यक्रम जिला परिषद सदस्य प्रकाश हंसदा के नेतृत्व में किया गया।इसअवसर पर युवा कार्यकर्ताओं ने प्रवेश शुक्ला को फांसी दो,भाजपा नेताओं होश में आओ आदि नारे लगाए। मौके पर प्रकाश ने कहा कि इस शर्मनाक व घटिया कार्य से आदिवासी समुदाय का अपमान हुआ है जिसे हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे पुतला दहन कार्यक्रम में युवा संघ के चान्दो बास्की,दुलाल बेसरा,करण मुर्मू,बबलू हेम्बरम,ऐगनेश किस्कू,पोरेश बास्की,राम सोरेन,मोहन सोरेन आदि शामिल थे।

मानगो छोटा पुलिया के पास दो आपराधिक गुटों में गोलियों की हुई बौछार से इलाके में दहशत

- **दो आपराधिक गुटों में आपसी रंजिश का, चार गोली का खोखा बरामद**

जमशेदपुर । मानगो छोटा पुलिया के पास दो आपराधिक गुटों में हुई गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाक़ा थर्रा उठा। घटना सुबह लगभग 6.20 बजे की है। दोनों तरफ से लगभग 10-12 राउंड गोली चली है। हालाकि इस गोलीचालच की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। गोली चालन की जानकारी मिलते ही मानगो थाना प्रभारी विनय कुमार घटना स्थल पर पहुच कर मामले की जांच शुरू कर दिया। घटना का कारण दो आपराधिक गुटों में आपसी दुश्मनी का बताया जाता है। गोली चालन 'ी बाद कुछ अपराधी वर्कर्स कलेज ; और और कुछ साकची की तरफ भाग खड़े हुए। पुलिस ने घटना स्थल से गोली का चार खोखा बरामद कर लिया है। घटना के दौरान एक अपराधी मानगो छोटा पुलिया स्थित पेट्रोल पंप के पास ठेले पर चाय पी रहे एक युवक के कनपटी पर पिस्टल सटाकर उसे बाईक से कदमा छोड़ने के लिए धमकाया। डर से उस युवक ने अपराधी को कदमा उलीयान सब स्टेशन के पास बाईक रुकवाकर उतर गया और उसके मोबाइल को स्वीच ऑफ करा दिया। अपराधी ने युवक को धमकाते हुए कहा कि किसी को बताया तो मानगो में मेरे बहुत साथी हैं तुमको वही पर गोली मरवा देंगे। अंकेश नामक उस युवक ने घटना की जानकारी पुलिस और भाजपा नेता विकास सिंह को दी। पुलिस सीसीटीवी का फुटेज खंगाल रहीं है।

- **अपराधियों की पहचान कर ली गई है : एसएसपी**

वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि मानगो में हुई गोली चालन की घटना में अपराधियों की पहचान '१ लीं' है। घटना का कारण दो गुटों के बीच आपसी रंजिश का है। घटना स्थल से गोली का चार खोखा बरामद कर लिया गया है।

डीडीसी ने की मनरेगा, आवास योजनाओं की समीक्षा, कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

जिले के 166 वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान में से 121 में चेंजिग रूम व शौचालय का निर्माण कार्य पूर्ण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ पूर्वी सिंहभूम के निदेशानुसार उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार द्वारा सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखण्ड समन्वयक, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता के साथ आहूत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मनरेगा एवं आवास योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की गई। मनरेगा की समीक्षा में वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं पूर्व की योजनाओं को 13 जुलाई तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने का निदेश दिया गया । चाकुलिया, गुड़ाबान्दा, डुमरिया एवं पटमदा में मानव दिवस सृजन में 40 फीसदी उपलब्धि पर ज्यादा से ज्यादा योजनायें ग्राम पंयायतों में क्रियान्वित किये जाने का निर्देश देते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि प्रति ग्राम 5 योजना जरूर लें । उन्होने कहा कि अपने ग्राम पंचायत में ही लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में मनरेगा की योजनायें काफी उपयोगी हैं । बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत 3100 एकड़ मे कार्य प्रारंभ किया गया है। उक्त सभी योजनाओं में घेरान का कार्य शुरू कराने का निदेश दिया गया ।

जिला में 182 वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान का निर्माण किया जाना है जिसके विरूद्ध अबतक 166 का निर्माण पूर्ण हो चुका है वहीं 121 मैदान में चेंजिंग रूम व शौचालय का भी निर्माण हो चुका है। उप विकास आयुक्त द्वारा लंबित योजनाओं को 17.07.2023 तक पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। बहरागोड़ा, चाकुलिया, गोलमुरी -सह- जुगसलाई एवं पटमदा प्रखंड में खेल मैदान का निर्माण कार्य शत प्रतिशत पूरा हो गया है। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2016-22 तक लंबित आवासों की समीक्षा की गयी। 233 आवास लंबित पाये गए, लंबित आवासों को 25 जुलाई तक पूर्ण करने का निदेश दिया गया। वित्तीय वर्ष 2016-22 में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना अंतर्गत प्रखण्ड डुमरिया, बहरागोड़ा एवं चाकुलिया द्वारा विगत 22 दिनों में केवल 7 आवासों पूर्ण कराने पर नाराजगी व्यक्त की गई एवं प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, डुमरिया, बहरागोड़ा एवं चाकुलिया को पंचायत सचिव, प्रखण्ड समन्वयक, स्वयं सेवक एवं अन्य संबंधित कर्मियों के साथ प्रतिदिन बैठक करने तथा लाभुकवार स्थल निरीक्षण करते हुए आवास पूर्णता में प्रगति लाने का निदेश दिया गया । वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य 370 के विरूद्ध अबतक 100 प्रतिशत स्वीकृति एवं प्रथम किस्त भुगतान नहीं होने पर उप विकास आयुक्त द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई एवं 2 दिनों के अन्दर 100 प्रतिशत आवास स्वीकृति एवं प्रथम किस्त भुगतान करने का निदेश सभी प्रखण्डों को दिया गया।

उप विकास आयुक्त ने डीएमएफटी की बैठक में की योजनाओं में प्रगति की समीक्षा

कहा- गुणवत्तापूर्ण कार्य को प्राथमिकता देते हुए डेडलाइन में करें कार्य पूर्ण

जमशेदपुर/ झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के निदेशानुसार समाहरणालय में आयोजित डीएमएफटी की बैठक में उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार ने कार्यकारी एजेंसियों के साथ डीएमएफटी से क्रियान्वित योजनाओं में प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । वित्तीय वर्ष 2022-23 में डीएमएफटी से स्वीकृत योजनाओं में जिला में आंगनबाड़ी केन्द्रों का जीर्णोद्धार, विद्यालयों में अतिरिक्त कमरा निर्माण, सिंचाई नाला, छात्रावास आदि का निर्माण किया जा रहा है । समीक्षा के क्रम में भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि उनके विभाग को आवंटित 10 योजनाओं में से 8 योजना में इस महीने के अंत तक कार्य पूर्ण हो जाएगा। विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 39 योजनाओं में से 35 में कार्य प्रगति पर है, 30 योजना में इस महीने के अंत कर कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा । उप विकास आयुक्त ने कहा कि कार्य गुणवत्तापूर्ण हो इसका सभी कार्यकारी एजेंसियां विशेष ध्यान रखेंगी साथ ही लंबित योजनाओं को लेकर उन्होने कहा कि निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण हो इसे सुनिश्चित करें। गौरतलब है कि 111 आंगनबाड़ी केन्द्रों का जीर्णोद्धार के अलावा डीएमएफटी से 3 छात्रावास का निर्माण बहरागोड़ा, धालभूमगढ़ एवं गुड़ाबांदा प्रखंड में किया जा रहा है। गुड़ांबादा में नवनिर्मित छात्रावास में विद्युत और पेयजल का कार्य बाकी है। वहीं 50 से ज्यादा विद्यालयों में अतिरिक्त कमरा का निर्माण तथा किसानों को सिंचाई में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से सिंचाई नालों का निर्माण किया जा रहा है । साथ ही पेयजल की भी योजनाएं डीएमएफटी से ली गी हैं। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी श्री अरुण द्विवेदी तथा सभी तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता मौजूद रहे।

मानगो ज्वाहर नगर रोड नंबर 15 के समता नगर रंगे हाथ दो चोर पकड़ाया

- **मानगो में बेकाबू हो गया है अपराध : विकास सिंह**

जमशेदपुर । मानगो समता नगर गैस गोदाम के समीप बंद घर में चोरी कर रहे दो युवकों दानिश उर्फ आसिफ अंसारी और अल्ताफ आलम को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया । समता नगर में बंद पड़े घर का देख भाल कर रहे स्थानीय निवासी जगन यादव ने बताया की दो दिन पूर्व घर की खिड़की का रड कटा हुआ था, जिसकी मरम्मत जगन यादव ने करवा दिया था। लेकिन कल दोपहर से ही घर में हलचल देखने को मिल रहा था आज अहले सुबह दो चोर घर से निकलकर भागने का प्रयास कर रहे थे जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से धर दबोचा। चोर के पास से लगभग 20000 रु, मोबाइल, आधार कार्ड मिला। स्थानीय लोगों ने भाजपा नेता विकास सिंह को बुलाकर मामले की जानकारी दी मौके में पहुंचकर भाजपा नेता विकास सिंह ने स्थानीय थाने में मामले की जानकारी दिया मौके में पहुंचे प्रशासन के लोगों ने दोनों चोर को पकड़कर मानगो थाना ले गए ।

पंचायत अध्यक्षों की बैठक कर संगठन, एनजीओ, एस एच जी ग्रुप के बारे में विस्तार से चर्चा की गई

जमशेदपुर । झारखण्ड स्वयंसेवी संस्था संगठन संगठन पूर्वी सिंहभूम द्वारा आयोजित घाटशिला विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मोसाबोनी प्रखंड में पंचायत अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक कर संगठन,एनजीओ,एस एच जी ग्रुप के बारे में विस्तार से चर्चा की गई और आने वाले दिनों में संगठन द्वारा होनेवाली गतिविधियों को जन जन तक पहुंचाने की रूपरेखा तैयार की गई ज्यादा से ज्यादा लोगों को संगठन से जोडकर तथा सरकारी योजनाओं से जुड़कर किस तरह संगठन को मजबूत बनाया जाय।इसकी चर्चा की गई। उक्त बैठक में श्री जवाहरलाल महाली प्रदेश अध्यक्ष श्री असित कुमार महतो, प्रदेश सचिव ,उपाध्यक्ष श्रीमती मीरा तिवारी, मौसमी मल्लिक, बिट्टू परेया, मनिष कुमार आदि ने विचार रखें।
उक्त बैठक के अध्यक्षता निशीकांत महतो पूर्वी सिंहभूम जिला अध्यक्ष, बैठक के संचालन श्रीमती तुलसी समत ने किया।

सरकारी उपेक्षा का दंश झेल रहे सारंडा के किसान, वर्षा आधारित घाटे की खेती करने को है मजबूर

चाईबासा। सारंडा के गांवों में रहने वाले सैकड़ों किसान सारंडा से होकर गुजरने वाली कारो, कोयना, सरोखा समेत अन्य नदी व प्राकृतिक नाले होने के बावजूद वर्षा के भरोसे खेती करने को मजबूर हैं। इन किसानों की खेती हर वर्ष घाटे में रहती है। इसके बावजूद ये किसान एक नयी आशा व विश्वास के साथ हर बार बेहतर फसल होने की आस लिए खेती करते हैं। इस बारिश के मौसम में भी सारंडा के सभी गांवों के किसान अपने हल-बैल लेकर पूरे परिवार के साथ अपने-अपने खेतों में देर शाम तक कड़ी मेहनत कर रहे है। सारंडा के तितलीघाट, बहदा, छोटानागरा, छोटा जामकुंडिया आदि अनेक गांवों के किसानों को अपने खेतों में मेहनत करते देखा जा सकता है। किसानों ने बताया कि उन्हें उम्मीद है इस वर्ष बारिश अच्छी होगी। इसलिये खेत में गोड़ा धान, मक्का, बरबट्टी आदि फसल लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लिफ्ट इरिगेशन अथवा सिंचाई की कोई व्यवस्था सरकार की तरफ नहीं होने के कारण वे नदी-नाला किनारे स्थित अपने खेतों में रोपा धान न लगाकर गोड़ा धान लगाते हैं। अगर सरकार प्राकृतिक नदी-नाला किनारे के खेतों में लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था हुई होती तो किसान सालों भर विभिन्न फसलों व सब्जियों को लगाकर आत्मनिर्भर बने रहते। लेकिन पानी के अभाव में अधिकतर खेत फसल विहिन रहता है, या फिर वर्षा के भरोसे बीज लगाते हैं। यह खेती हर वर्ष नुकसान दायक होता है। किसानों ने बताया कि झारखण्ड अलग राज्य बने 23 वर्ष हो गये, लेकिन सारंडा के गांवों की तस्वीर व तकदीर में कोई सुधार नहीं हुआ। बल्कि सारंडा और यहां के लोग और बर्बाद हुए हैं। लोगों ने मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक निरंतर बनाया लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई बदलाव व सुधार नहीं हुआ। पिछले दिनों पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा जब छोटानागरा पहुंचे थे तो उन्होंने खुद माना था कि सारंडा के 26 गांव बुनियादी सुविधाओं से वंचित है, लिफ्ट इरिगेशन से सिंचाई सुविधा बहाल करने की जरूरत है। शुद्ध पेयजल, चिकित्सा, एम्बुलेंस, शिक्षा आदि सुविधाओं का अभाव है।

गुजरात हाईकोर्ट के द्वारा राहुल गांधी की सजा को बरकरार रखने के विरुद्ध में बिस्टूपुर में मशाल जुलूस मार्च निकला गया : धर्मेंद्र सोनकर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर/ शुक्रवार की शाम 7 बजे मोदी सरनेम से जुड़े मानहानि मामले पर आज गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। गुजरात हाईकोर्ट का कहना है कि ट्रायल कोर्ट का राहुल गांधी को दोषी ठहराने का आदेश सही है, इस आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई जरूरत नहीं हैं।

गुजरात हाई कोर्ट के इस फैसले से असहमत एवं नाराज पूर्वी सिंहभूम के कांग्रेसियों ने कार्यकारी नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोनकर के निर्देशानुसार जिला सचिव रईस रिजवी छब्बन के नेतृत्व में केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ आज बिष्टुपुर में आक्रोश जुलुस निकाला।

मीडिया से बात करते हुये नगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोनकर ने कहा कि अदालत का फैसला, उसके समक्ष पेश किये गयें साक्षयों के आधार पर होता हैं और सही साक्षय एवं तथ्यों को निष्पक्ष तरीके से रखना सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी होती हैं। केंद्र एवं गुजरात में बैठी भाजपा सरकार ने, सरकारी संस्थानों का दुरूपयोग कर देश की आम जनता के साथ-साथ अदालत को भी गुमराह करने का काम किया हैं। केंद्र की मोदी सरकार वास्तव में हमारे नेता राहुल गांधी जी की भारत यात्रा एवं देश में मोहब्बत की दुकान खोलने की मुहीम से डरी हुई हैं।

कांग्रेस के जिला-उपाध्यक्ष श्री बब्लू झा ने आगे कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की जानकारी और सरपरस्ती में नीरव मोदी, ललित मोदी, मेहुल चौकसी एवं विजय माल्या सरीखे कई अन्य भगोड़ें, देश की करोड़ों करोड़ आम जनता के मेहनत के पैसों का गबन कर विदेश भाग गयें। राहुल गांधी का वह बयान वस्तुतः उन भगोड़ों के खिलाफ आम जनता की भावनाओं की अभिव्यक्ति मात्र था।

कांग्रेस के जिला सचिव रईस रिजवी छब्बन ने बताया कि ₹हम यह स्पष्ट कर देना चाहतें हैं कि सरकार की इन दमनकारी कुटिल चालों से न तो हमारे नेता डरें हैं और न हम डरेंगें बल्कि आने वाले राज्य चुनावों एवं 2024 के आम चुनावों में इस फासिस्ट पार्टी को सरकार से उखाड़ फेंकने का काम करेंगे।₹

इस आक्रोश रैली में भारत यात्री जेबा खान के अलावा जिला उपाध्यक्ष बब्लू झा, जिला सचिव जनाब रिजवी, अभिजीत सिंह, अफसर चिंटू, राजा सिंह राजपूत, सीनू रेडी, हरे कृष्णा लोहार, मनीष मार्डी, गोविंद बगधल, गुलाब गद्दी, अनिता कुमारी, मीनू कुमारी, पूजा डे, गौतम रविदास, प्रिंस मोहसीन, सोहन शर्मा, पीयूष अग्रवाल, पवन सिंह, अमित दुबे अख्तर हुसैन सि–ाकंदर खान गुलाम अली शाजादा सलीम आसान, जावेद जमाल इरफान अहमद एवं अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता मौके पर मौजूद थे।

जमशेदपुर व धनबाद का पासपोर्ट आवेदन केंद्र कल खुला रहेगा

जमशेदपुर। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (रीजनल पासपोर्ट आफिस), रांची के निर्देशानुसार जमशेदपुर और धनबाद के आवेदन केंद्र कल, 8 जुलाई को खुले रहेंगे. इस संबंध में रीजनल पासपोर्ट ऑफिसर (रांची) मनिता के ने बताया कि जमशेदपुर और धनबाद के लिए पासपोर्ट जारी करना और आसान बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि दोनों शहरों में हमारे आवेदन केंद्र इस शनिवार (8 जुलाई 2023) को खुले रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अगले 2-3 दिनों के भीतर अपॉइंटमेंट उपलब्ध होने तक जमशेदपुर केंद्र प्रत्येक शनिवार को खुला रहेगा। इच्छुक व्यक्ति अपॉइंटमेंट www.passportindia.gov.in पर ऑनलाइन बुक कर इस सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

कोयला कारोबारी को बदमाशों ने दिनदहाड़े मारी गोली, दिल्ली रेफर

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के पुराना अरगोड़ा चौक के समीप पुंदाग रोड में शुक्रवार को कोयला कारोबारी रंजीत कुमार गुप्ता उर्फ छोटु गुप्ता (50) को दो अपराधियों ने उनके ऑफिस देव ट्रेडिंग कंपनी के सामने गोली मार दी। गोली उनके जांघ में लगी है। उन्हें रिम्स में भर्ती कराया गया था। उन्हें अब एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया गया है। रिम्स के चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति खतरे के बाहर है।

रंजीत कुमार गुप्ता मूल रूप से लातेहार के चंदवा के निवासी हैं। रांची में अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर , मोहन मार्केट स्थित फ्लैट में रहते हैं। बताया जाता है कि यह रंगदारी से जुड़ा मामला है। गैंगस्टर अमन साव या टीपीसी उग्रवादियों के इशारे पर गोली चलाये जाने की आशंका है। यह सारी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है।

सूचना मिलते ही सिटी एसपी शुभांशु जैन, डीएसपी राजा मित्रा, अरगोड़ा थाना प्रभारी बृज कुमार और पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक घटनास्थल पर पहुंचे। बाद में सिटी एसपी रिम्स पहुंचे। पूर्व विधायक प्रकाश राम, घायल की पत्नी अंजु गुप्ता सहित परिवार के अन्य सदस्य भी रिम्स पहुंचे।

रंजीत के चालक दयानंद पासवान ने पुलिस को बताया कि रंजीत कुमार गुप्ता ऑफिस ऑफिस के नीचे खड़े होकर गाड़ी का इंतजार कर रहे थे। इस बीच बाइक पर दो युवकों ने उनपर गोली चला दिया। गोली लगने से वह गिर गये। वह दूसरा गोली चलाने वाला था उसी समय उन्होंने मोबाइल फेंक कर उसे मारा, जिससे उसका निशाना मिस कर गया।

इस संबंध में सिटी एसपी शुभांशु जैन ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान कर उनके गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर रही है। मामले में घायल के बयान के आधार आगे की जांच की जायेगी।

पत्रकारिता और पत्रकारों के अस्तित्व समाप्त नहीं होने देंगे : जितेंद्र ज्योतिषी

रांची। झारखंड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन का सम्मेलन शुक्रवार को सरायकेला स्थित परिसदन में हुआ। इसमें झारखंड प्रेस आयोग का गठन करने, पत्रकारों को मान-सम्मान देने एवं उनकी समस्याओं का समाधान करने के संबंध में चर्चा हुई। साथ ही रांची के पुष्कर महतो को कार्यकारी अध्यक्ष सर्व सम्मति से चुना गया।

सम्मेलन की अध्यक्षता कोल्हान प्रभारी रास बिहारी और संचालन सुनील शर्मा ने की। अध्यक्ष जितेंद्र ज्योतिषी ने कहा कि पत्रकारिता व पत्रकारों के अस्तित्व समाप्त नहीं होने देंगे।

उन्होंने कहा कि पत्रकार राज्य व राष्ट्र का सजग प्रहरी है। राष्ट्र व राज्य की समृद्धि एवं बेहतरीन के लिए अपने दायित्वों का निर्वाह पूरी जिम्मेवारी एवं जवाबदेही के साथ करता रहा है लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पत्रकार हाशिए पर है।

झारखंड जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से विधायक आश्वासन समिति के अध्यक्ष दीपक विरुवा को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया।

मांग पत्र में कहा गया है कि झारखंड प्रेस आयोग का गठन हो, पत्रकारों को मान-सम्मान मिले, पत्रकारों की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन से कराने के लिए विशेष निर्देश दिया जाए, टोल प्लाजा में पत्रकारों को अतिरिक्त परेशान ना किया जाए एवं उनका आवागमन निशुल्क हो।

साथ ही कहा गया है कि पत्रकारों को अलग से चिकित्सा सुविधा एवं स्वतंत्रता से काम करने के लिए सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित हो। पत्रकारों के साथ पुलिस अतिरिक्त छेड़छाड़ ना करे एवं पत्रकारों की भावनाओं से खिलवाड़ ना हो, पत्रकारों को भी राज्य की समृद्धि एवं बेहतर बनाने के लिए नीति निर्धारण समिति में रखा जाए।

रांची के अग्रसेन भवन में तीन दिवसीय सावन महोत्सव का समापन

रांची, । अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 24वां तीन दिवसीय सावन महोत्सव सह हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी मेला का समापन हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने महिला समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं व्यवसाय के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं। ऐसे मेले से लघु कुटीर उद्योग एवं छोटे स्तर पर अपने घरों से काम करने वाली महिलाओं को एक ही छत के नीचे बेहतरीन प्लेटफार्म उपलब्ध होता है, जिससे वे अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर पाती है और उन्हें उसका सही मूल्य मिल पाता है।

तीन दिनी सावन महोत्सव मेले में 100 से भी ज्यादा स्टाल लगाए गए, जिसमें रांची सहित जयपुर, कोलकाता, बनारस, भागलपुर, पटना सहित अन्य स्थानों से आई महिलाओं ने जयपुरिया आभूषण ज्वेलरी, कोलकाता से ढेरों डिजाइनर साड़ियां, सलवार सूट छोटे बच्चों के स्पेशल कपड़े, नेपाली कंबल, चादरें, इमिटेशन ज्वेलरी तरह-तरह की नवीनतम डिजाइनों में रंग-बिरंगे वंदनवार, राखियां, सजावट के सामान श्रृंगार की सामग्री, हस्तशिल्प उत्पादों, चांदी की राखियां, पूजा की सामग्री ,शादी के लहंगे, इंडो वेस्टर्न ड्रेसेस, सहित अन्य सामानों के स्टॉल लगाए गए।

सभी स्टॉलों में भारी भीड़ रही एवं हजारों महिलाओं खूब खरीदारी की। समारोह में अग्रवाल सभा महिला समिति द्वारा मेले में बेस्ट स्टॉल लगाने वाली 4 महिलाओं राजश्री राठी, अनुदिता पोद्दार, विभा गुप्ता एवं विनीता डालमिया को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन सावन महोत्सव की संयोजिका अलका सरावगी ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन अग्रवाल सभा के मंत्री मनोज चौधरी ने की। मुख्य अतिथि सुरेश चंद्र अग्रवाल को अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया ने पुष्प गुच्छ एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया।

प्रदेश कांग्रेस ने निकाला एकजुटता संकल्प मार्च

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने शुक्रवार को गुजरात हाई कोर्ट की ओर से राहुल गांधी की संसद सदस्यता की याचिका खारिज करने के मामले को लेकर एकजुटता संकल्प मार्च निकाला। एकजुटता संकल्प मार्च कांग्रेस प्रदेश कार्यालय से अलबर्ट एक्का चौक तक केन्द्र सरकार के खिलाफ निकाला गया। कांग्रेस के कार्यकर्ता बारिश के बीच हाथों में तख्तियां लेकर इसमें शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा सच की लड़ाई लड़ी और आगे भी लड़ते रहेंगे। ललित मोदी, नीरव मोदी, विजय माल्या, जतिन मेहता, मेहुल चोकसी जैसे भगोड़े केंद्र सरकार के निगरानी में जनता का पैसे लेकर विदेश पहुंच गए, भाजपा ने उन्हें आजाद कर दिया लेकिन राजनीतिक साजिश के तहत राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा कर संसद से निलंबित कर दिया।

उन्होंने कहा कि अहंकारी सत्ता चाहती है कि देश के लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने वाले सवाल न उठे। महंगाई पर सवाल न पूछे जाएं। युवाओं के रोजगार पर कोई बात न हो। किसानों की भलाई की आवाज न उठे। महिलाओं की हक की बात न हो। श्रमिकों के सम्मान का सवाल ना उठाया जाए। सत्ता सच को दबाने के लिए हर हथकंडा अपना रही है।कांग्रेस विधायक दल के नेता सह ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि अहंकारी सत्ता जनता के हितों से जुड़े सवालों से भटकाने के लिए साम, दाम, दंड भेद सभी हथकंडा अपना रही है लेकिन सत्य पराजित नहीं हो सकता। वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि जनता की ताकत के आगे न तो सत्ता का अहंकार ज्यादा दिन टिकेगा और न ही सच्चाई पर झूठ का पर्दा। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, कृषि मंत्री बादल, विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने सभा को संबोधित किया।

आदिवासी इंस्पेक्टर उमेश कच्छप की मौत की सीबीआई जांच कराएं मुख्यमंत्री : बाबूलाल मरांडी

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को कहा कि आदिवासी अफसर उमेश कच्छप ने धनबाद के तोपचांची थाने में खुदकुशी कर ली थी। मौत के पहले अपनी पत्नी से बातचीत में उमेश कच्छप ने वरीय अफसरों का नाम लेकर बताया था कि कैसे उनके जैसे ईमानदार और सीधे सादे अफसर को एक चालक पर फर्जी केस कर रंगदारी वसूलने वाले अफसरों को बचाने का दबाव वरीय अधिकारी डाल रहे हैं।

इसी तनाव में उमेश कच्छप ने जान दे दी। तब सीआईडी और फोरेंसिक टीम ने पुलिस अफसरों को प्रारंभिक जांच में दोषी पाया था लेकिन जब आदिवासी हितों की रक्षा का दावा कर करने वाली सरकार बनी तो सरकार ने आदिवासी अफसर की मौत की फाइल बंद कर दी।

उन्होंने कहा कि सरकारी अधिवक्ता ने जांच बंद करने की सलाह देकर इस सरकार में क्राइम पार्टनर बन चुके एक अफसर को सीआईडी की जांच में बचाने का प्रयास किया।

मरांडी ने कहा कि उमेश कच्छप की बिटिया विनीता आज पिता की मौत का इंसाफ मांग रही है। उच्च न्यायालय से सीबीआई जांच कराने का गुहार लगा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी इंस्पेक्टर की मौत की जांच सीबीआई से क्यों नहीं कराते? आदिवासी दारोगा की बच्ची की सीबीआई जांच की फरियाद क्यों नहीं सुन रहे? काहे और किस गुनहगार को बचाने के लिए आदिवासी बच्ची को न्यायालय का चक्कर लगवा रहे हैं? उन्होंने कहा कि हिम्मत करिए, आदिवासी हित में कलम उठाइये और उमेश कच्छप मौत के कारण की जांच के लिए यह मामला सीबीआई के हवाले करिये।

हाई कोर्ट में बीज घोटाला मामले में तत्कालीन कृषि निदेशक निस्तार मिंज की याचिका पर हुई सुनवाई

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को 46.10 करोड़ के बीज घोटाला मामले में आरोपित तत्कालीन कृषि निदेशक निस्तार मिंज की क्रिमिनल रिवीजन की याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से दाखिल लिखित बहस पर याचिकाकर्ता की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय लिया गया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई निर्धारित की है।

याचिकाकर्ता की ओर से पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता अजीत कुमार एवं हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता राजीव सिन्हा और अधिवक्ता रोहित सिन्हा ने पैरवी की। एसीबी की ओर से अधिवक्ता प्रिया श्रेष्ठ ने पैरवी की।

निस्तार मिंज ने एसीबी कोर्ट द्वारा उनके डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया है कि निस्तार के खिलाफ एसीबी थाना में 2 एफआईआर दर्ज किया गया है। इनमें एक एफआईआर वर्ष 2009 में बीज घोटाला एवं दूसरा एफआईआर वर्ष 2013 में खाद घोटाला में किया गया है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्ष 2013 में प्रार्थी के खिलाफ जो खाद घोटाला का मामला दर्ज किया गया था उसमें अभी तक आरोपपत्र भी दायर नहीं हुआ है और अनुसंधान जारी है। वर्ष 2013 के खाद घोटाला के मामले को बीज घोटाला के साथ मर्ज करते हुए उनके डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई हुई थी। बीज घोटाला के साथ खाद घोटाला के आरोपों को जोड़कर उनके डिस्चार्ज पिटीशन को एसीबी कोर्ट ने खारिज कर दिया था, जो अनुचित है।

हेमन्त सोरेन बर्बरता की शिकार हजारों आदिवासी बेटियों के परिजनों से माफी मांगे : प्रतुल शाहदेव

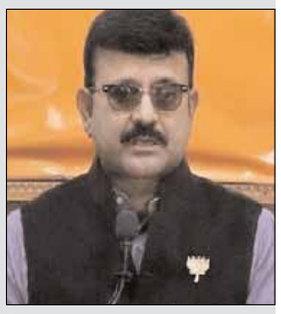

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान बर्बरता की शिकार हुई हजारों आदिवासी मूलवासी बेटियों के परिजनों से वे माफी मांगें।

प्रतुल ने शुक्रवार को कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिवासी युवक के पैर धोते हुए पानी को सिर पर लगाया था। साथ ही उसके घर को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। प्रतुल ने कहा कि हेमन्त सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार हेमन्त सरकार के शासनकाल में 5000 से ज्यादा बेटियों की इज्जत लूटी गई है। कहीं किसी बेटी को पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया तो कहीं किसी को जिंदा फांसी पर लटका दिया गया।

प्रतुल ने कहा कि मुख्यमंत्री में संवेदनशीलता होती और इन बेटियों के घर जाकर परिजनों से माफी मांगने का साहस जुटाया होता तो परिजनों की भी बेटियों को न्याय दिलाने के लिए हिम्मत बढ़ती। प्रशासन भी और सजग होता लेकिन पूरे झारखंड की तो बात छोड़िए मुख्यमंत्री दुमका और बरहेट के अपने क्षेत्र में भी नहीं गए।

हाई कोर्ट में चुनाव आयोग ने समरी लाल के मामले में रिटर्निंग ऑफिसर के रिकॉर्ड को किया पेश

रांची। भाजपा के कांके विधायक समरी लाल की ओर से वर्ष 2019 झारखंड विधानसभा चुनाव में दिए गए जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश बैठा की चुनाव याचिका में भारत सरकार के चुनाव आयोग की ओर से अधिवक्ता एके सिंह ने शुक्रवार को प्रतिशपथ पत्र दाखिल किया।

विधानसभा चुनाव के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा चुनाव से संबंधित जो रिकॉर्ड मेंटेन किया गया था, उसकी कॉपी प्रतिशपथ पत्र के माध्यम से हाई कोर्ट में दाखिल की गई। यह मामला शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट में सूचीबद्ध था लेकिन सुनवाई टल गई।पिछली सुनवाई में मामले में कोर्ट ने याचिकाकर्ता सुरेश बैठा की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका (आईए) पर रिटर्निंग ऑफिसर को जवाब के लिए अंतिम मौका दिया था, जिसे लेकर रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से चुनाव आयोग ने प्रतिशपथ पत्र दाखिल किया। याचिकाकर्ता की ओर से दायर आइए में कहा गया था कि रिटर्निंग ऑफिसर आर्डर शीट का सर्टिफाइड कॉपी जो उन्हें रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से दिया गया था, वह अधूरा है। इसलिए रिटर्निंग ऑफिसर आर्डर शीट की संपूर्ण दस्तावेज मंगाया जाए। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विभास सिन्हा पैरवीकार हैं। प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष पैरवीकार हैं।याचिकाकर्ता की ओर से दायर आइए में कहा गया था कि रिटर्निंग ऑफिसर आर्डर शीट का सर्टिफाइड कॉपी जो उन्हें रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से दिया गया था, वह अधूरा है।

मनी लांड्रिंग में फंसे उमाशंकर मालवीय की पासपोर्ट रिलीज करने के मामले की हाई कोर्ट में सुनवाई

रांची, । झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को मनी लांड्रिंग मामले में फंसे पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही के तत्कालीन निजी सचिव उमाशंकर मालवीय के पासपोर्ट रिलीज कराने को लेकर दायर क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई हुई।

मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस की गई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को पूरक शपथ पत्र दाखिल कर बताने को कहा है कि वह अपनी बेटी से मिले लंदन कब और कितने दिनों के लिए जाना चाहते हैं। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 14 जुलाई निर्धारित की।

ईडी की विशेष न्यायाधीश की कोर्ट ने पासपोर्ट रिलीज करने के उमाशंकर मालवीय की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे उन्होंने हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

याचिका में कहा गया है कि उनकी बेटी लंदन में हुल यूनिवर्सिटी में लॉ की पढ़ाई कर रही है। इसलिए वह लंदन उससे मिलने जाना चाहते हैं। ऐसे में ईडी की अदालत में जमा उनके पासपोर्ट को रिलीज करने का आदेश दिया जाए। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार सिन्हा एवं अधिवक्ता निरुपमा ने पैरवी की।

उमाशंकर मालवीय पर पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही के द्वारा अर्जित की गई करोड़ों रुपए की अवैध संपत्ति को मनी लांड्रिंग करने में सहयोग करने का आरोप है। विजिलेंस थाने में तत्कालीन विधायक भानु प्रताप शाही की आय से अधिक संपत्ति को लेकर दर्ज कांड संख्या 9/ 2009 के आधार पर सीबीआई ने एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

राहुल गांधी के सम्मान में कांग्रेस है मैदान में : जिला कांग्रेस

राहुल गांधी संघर्ष करो हम आपके साथ है : कांग्रेस

चाईबासा। झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार शुक्रवार शाम को कांग्रेस भवन , चाईबासा से पैदल मार्च निकाला गया ,

जोकि शहीद पार्क चौक होते हुए गांधी मैदान रविंद्र भवन होते हुए कांग्रेस भवन वापस पहुंचा, राहुल गांधी जिंदाबाद, ₹राहुल गांधी आप संघर्ष करो हम आपके साथ है।

₹ देश बचाओ -लोकतंत्र बचाओ, सविधान बचाओ- देश बचाओ,₹ जैसे नारे लगाते हुए हाथों में तख्ती एवं कांग्रेस के झंडे के साथ पैदल मार्च निकाला गया, ज्ञातव्य हो कि गुजरात हाई कोर्ट के द्वारा मानहानि मामले में हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को राहत नहीं मिलने पर गांधी वादी तरीके से जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वधान में पैदल मार्च निकालकर विरोध प्रदर्शन किया गया ।

पैदल मार्च कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास , देवेन्द्र नाथ चंपिया , अशरफुल होदा , नितिमा बारी , त्रिशानु राय , जितेन्द्र नाथ ओझा , रविन्द्र बिरुवा , रंजीत यादव , राज कुमार रजक , रितेश कुमार तामसोय , लियोनार्ड बोदरा , जानबी कुदादा , अशोक सुंडी , मो.सलीम , गणेश कोड़ा , दिकु सवैयां , कैरा बिरुवा , जगदीश सुंडी , इम्तियाज खान , सिकुर गोप , मुकेश कुमार , सुभाष राम तुरी , राजेन्द्र कच्छप , तुरी सुंडी , मो.जहाँगीर आलम , मालती कालुण्डिया , रश्मि ब्यूटी बानरा , बेबी बिरुली , महीप कुदादा , संतोष सिन्हा , राकेश कुमार सिंह , राजेश दास , गुरुचरण सोनकर , मोहन सिंह हेम्ब्रम , मथुरा चंपिया , रवि कच्छप , नारायण निषाद , ब्रज मोहन देवगम , मुकेश दास , सिद्धेश्वर बोयपाई , सैफ अहमद , सुशील कुमार दास , सोनाराम पुरती आदि उपस्थित थे ।

मुस्कान भरे पल

आजकल तनाव भरी इस ऊबाऊ जिंदगी में यदि दो पल मुस्कुराहट के मिल जाएं तो जिंदगी में सुकून का तड़का लग जाता है और जिंदगी हसीन हो जाती है।

जीवन में सफलता-असफलता दुख और सुख लगे ही रहते हैं। यही सच्ची जिंदगी है यदि दैनिक जीवनचर्या से इन्हें मिटा दिया जाए तो सच में हमारे साथ कुछ भी नहीं रह जाएगा। और अधिकांश लोग इन्हीं उलझनों में अपनी मुस्कान खो देते हैं। मुस्कुराहट में वह जादू है कि इसके होंठों पर आते ही तनाव रूठ कर चला जाता है। इसका जादू जल्दी ही आसपास मौजूद सभी लोगों पर छा जाता है और उदास चेहरों पर हंसी बना कर यह राज करने लगती है। हंसना स्वस्थ और सुखी रहने का एक बढिया फंडा है जिसने इसे अपना लिया वह कभी उदास नहीं हो सकता है इसीलिए हमेशा हंसते रहो और हंसते रहो।

मुस्कान के साथ करें स्वागत

घर आने वाले हर मेहमान और दोस्त का अभिनंदन मुस्कराकर करने की आदत बना लें, साथ ही विदाई के वक्त भी जरा-सा मुस्करा दें। यह जादुई असर का काम करता है। जो भी आपसे मिलेगा वह अगली मुलाकात तक आपकी इसी मुस्कान को याद रखेगा और आपकी छवि उसके मन में सकारात्मकता का संचार करेगी। वह कभी आपका विरोध नहीं कर सकता।

मिले जब दोस्तों का साथ

जब-जब आप अपने किसी प्रिय दोस्त या रिश्तेदार के मिलने पर खुशी का इजहार करते हैं तो यह वक्त खुद-ब-खुद खास हो जाता है। आपने भी अनुभव किया होगा कि हमें बेहद खुशी होती है अपने दोस्तों के साथ अपने अनुभव बांटते वक्त। ऐसे में हंसी-ठहाके लगाना हमारे लिए एक आम बात बन जाती है। उस वक्त हम अपने तनावों को भूल जाते हैं और दो पल मुस्कुरा लेते हैं। यह हंसी कोई बनावटी नहीं बल्कि दिल से निकली हंसी होती है जो हमें असीम सुख देती है और इसके बाद हम जिंदगी की चुनौतियों के लिए फिर से खड़े हो जाते हैं।

घर की शाम बनाएं यादगार

एक उम्र के बाद कई कामकाजी लोगों की दुनिया घर और दफ्तर तक सिमट कर रह जाती है। ऐसे में मन कई बार कहता है कि जरा मुस्कुरा तो लें लेकिन हम उसकी नहीं सुनते। रात-दिन दौड़ती-भागती जिंदगी में शाम को जब हम अपने परिवार के साथ होते हैं सब कुछ भूलकर उन्हीं में रम जाते हैं तब मुस्कुराहट अपना जादू बिखेरती हुई हम सभी को हंसाती है। अधिकांश कामकाजी लोगों के लिए परिवार का साथ हंसने का बहाना होता है। उनके लिए वे फुर्सत के क्षण जिंदगी के तनाव से निजात पाने का एक अच्छा अवसर होते हैं। उस अवसर को वे गंवाना नहीं चाहते हैं क्योंकि उसके बाद तो उन्हें अगले दिन से अपने रोजमर्रा के कामकाजों में जुट जाना होता है।

दो पल जिंदगी

वक्त बदल रहा है। आजकल तनावभरी इस ऊबाऊ जिंदगी में यदि दो पल मुस्कुराहट के मिल जाएं तो जिंदगी में सुकून का तड़का लग जाता है और जिंदगी हसीन हो जाती है। हंसना हम सभी जानते हैं पर हम उसकी वजह ढूंढते हैं। जरा सोचें हंसने का भी भला कोई बहाना होता है? घर, ऑफिस या फिर सड़क चलते जब भी दिल करें अपनी पुरानी बातों पर मुस्कुराया जा सकता है। ऐसे में इस बात पर ध्यान देने की जरूरत नहीं कि कोई हमें देख रहा है। आखिर मुस्कान देख कर ही मुस्कान बढती है।

मुस्कुराएं एक प्याला काफी के साथ

बदलते दौर में कालेज के विद्यार्थी हों या नौकरीपेशा लोग, सभी जब कॉफी पीने के लिए इकट्ठा होते हैं तब उन्हें हंसने का एक अच्छा बहाना मिल जाता है। दोस्तों के साथ गपशप करना और एक-दूसरे की टांग खींचने में उन्हें इतना मजा आता है कि चाहते या न चाहते हुए भी वे अपना तनाव भूलकर मुस्कुरा ही लेते हैं।

आओ बांटें मुस्कुराहट

यह भी एक बेहतरीन काम है कि हम थोड़ी-सी जिंदगी अजनबी लोगों के साथ भी बांट लें। राह चलते यदि कोई हमारी ओर देखे या फिर ऑटो रिक्शा या बस का टिकट लेते समय अगर हम मुस्कान के साथ दूसरे व्यक्ति को देखेंगे तो उस ओर से भी प्रति उत्तर में मुस्कान ही मिलेगी।

इसका मोल पहचानें और बांटें जिंदगी की खुशीयां। जब जिंदगी हमारी है तो क्यों न हम इसे प्रसन्नतापूर्वक जीएं। यदि हमारी मुस्कुराहट कई उदास चेहरों पर हंसी ला सकती है तो हमारा मुस्कुराना बहुत अच्छा है। हंसना स्वास्थ्य और सुखी रहने का बढिया फंडा है जिसने इसे अपना लिया वह कभी उदास हो ही नहीं सकता है इसलिए हमेशा हंसते रहो और हंसाते रहो।

जब नींद में दाँत किटकिटाए बच्चा!

मिथ

अगर बच्चा रात में सोते समय दाँत किटकिटाता है तो इसका मतलब है उसके पेट में कीड़े हैं।

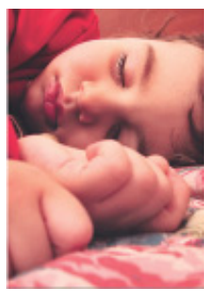

फैक्ट

चिकित्सकों का कहना है कि दाँत किटकिटाने का पेट के कीड़ों से कोई लेना-देना नहीं है। इसका कारण मनोवैज्ञानिक हो सकता है या तो ऐसा बच्चा बहुत दब्बू स्वभाव का है या फिर बहुत क्रोधी। वह अपनी भावनाएँ सहज रूप से प्रकट नहीं कर पाता है। इसलिए जब वह गहरी नींद में होता है तो दाँत किटकिटाता है। यह उसकी चिड़चिड़ाहट है जो इस रूप में बाहर निकलती है। इस संबंध में नवजात शिशु व बालरोग विशेषज्ञ कहते हैं कि दाँत किटकिटाने की आदत उन बच्चों में अक्सर दिखती है जिनका पालन -पोषण अत्यधिक लाड़-प्यार या अत्यधिक सख्ती से हो। इसके अलावा घर में लड़ाई-झगड़े का माहौल या स्कूल में अधिक तनाव भी ऐसी समस्या को जन्म दे सकता है। इस समस्या का निदान बिहेवियर थैरेपी व बच्चों को तनावमुक्त करके आसानी से किया जा सकता है।

आखिर माँ जो है वह

रोजमर्रा के कामों में माँ कितनी ही बार यह जताती है कि वह 'माँ' है। वह अक्सर बच्चों के लिए दूध का गिलास पूरा भरती हैं एकदम लबालब! और माँ कभी आधी रोटी देने को राजी होती ही नहीं।

शिशु का माँ के गर्भ में आते ही एक जुड़ाव-सा हो जाता है। यानी संसार में आगमन से बहुत पहले ही बच्चे का माँ से रिश्ता बनने लगता है, पकने लगता है। और वक्त के साथ यह गहरा और गहरा होता चला जाता है। बच्चे चाहे कितने भी बड़े हो जाएँ, माँ के लिए बच्चे ही बने रहते हैं। माँ का लाड़, दुलार, स्नेह उन पर सदैव बना रहता है। अपने बच्चों के लिए माँ के पास प्यार का सागर है

वह जितना प्यार लुटाती है उतना ही उसका सागर भरता जाता है। शायद इसीलिए दुनिया के तमाम रिश्तों में माँ-बेटी/ बेटे का रिश्ता इतना निर्मल, निश्चल, पावन और मजबूत हुआ करता है कि वह अन्य सभी रिश्तों परे भारी होता है।

एक माँ के लिए अपने बच्चों को बढ़ता हुए देखना, उन्हें हँसता-मुस्कुराता देखना बड़ा ही खूबसूरत अहसास है। यदि उसके बच्चे को कोई उपलब्धि हासिल हो जाएँ तो उसके लिए वह अहसास भी सातवें...ना ना... नौवे आसमान पर पहुँचने से कम नहीं होता। वैसे तो अक्सर माँ अपने बच्चों को लेकर पजेसिव हुआ करती है। इसलिए बच्चों की ज्यादा चिन्ता उसे रहती ही है लेकिन कई बार ममत्व में बहकर वह कुछ ऐसा कर जाती है कि बाद में उन बातों को सोचते ही मन में एक भीना-सा अहसास होता है और ओंठों पर एक मुस्कान सी तैर जाती है। माँ की ऐसी आदतों ही माँ होने का परिचायक होती हैं। इसलिए दुनिया की लगभग हर माँ ऐसी ही होती है।

रोजमर्रा के कामों में माँ कितनी ही बार यह जताती है कि वह 'माँ' है। हांलाकि उसे यह जताने की जरूरत नहीं पर गाहे-बगाहे वह अपना माँ होना जाहिर कर ही देती है। करे भी क्या माँ जो ठहरी। मसलन बच्चे को अभी-अभी नहलाकर तैयार किया है अब उसे देखकर वह मन ही मन खुश हो रही है। 'कितना सोणा लग रहा है मेरा राजकुमार/राजकुमारी।' शायद इस क्षण उसे दुनिया की तमाम धन-दौलत और ऐशो-आराम से बढ़कर अपना बच्चा लगता है। वह अक्सर बच्चों के लिए दूध का गिलास पूरा भरती हैं एकदम लबालब, ऊपर तक ! फिर चाहे थोड़ा दूध छलक ही क्यों न जाए। और माँ से कभी आधी रोटी माँगों तो पहले तो वह आधी रोटी देने को राजी होती ही नहीं । यदि वह मान भी गई तो वह आधी से ज्यादा ही देती है। यदि बच्चा गरम-गरम रोटियाँ खा रहा हो तो वह उसे घी में तर-बतर रोटियाँ खिलाएगी। फिर चाहे बच्चे का वजन ही क्यों न बढ़ रहा हो। आखिर वह अपने आप को रोके भी कैसे वह माँ जो है!

कॉलोनी में बच्चे का झगड़ा होने पर उसे पता चलता है कि उसके बच्चे की गलती है फिर भी वह सबके सामने उसका पक्ष लेती है। आखिर----। रिश्तेदारों के बच्चों की तुलना में अपने बच्चे को ही अच्छा मानना और रिश्तेदारों के सामने अपने बच्चों की तारीफें करना भी अक्सर माँओं के मन को खूब भाता है। घर में मेहमानों के लिए यदि मिठाई आई है तो अपनी पूरी कोशिश करना कि उसमें से बच्चों के लिए भी कुछ मिठाई बच जाएँ। बच्चों ने ठीक से अलमारी में सामान जमाया है नहीं इस बहाने से उनकी अलमारी भी माँए चैक कर लिया करती हैं।

बड़े होने पर बच्चे यदि आगे की पढ़ाई के लिए घर से दूर चले गए हैं तो हर रोज फोन पर पढ़ाई कैसी चल रही है? यह पूछने से पहले-खाना खाया या नहीं, दूध पीते हो या नहीं ? यह सवाल माँए अक्सर पूछा करती हैं। यहाँ तक कि जब बेटा घोड़ी पर चढ़ने वाला हो या बेटी के दुल्हन बनने की तैयारी हो उनके फेशियल से लेकर कपड़ों और ज्वेलरी तक की हर एक बात की चिंता माँ को बच्चों से ज्यादा हुआ करती है। महीनों पहले वह इन सब तैयारियों के लिए वह उन्हें रिमांइडर देना भी नहीं भूलती। चाहे बार-बार याद दिलाने पर बच्चे माँ पर झुँझलाने लगें पर माँ कहाँ मानती हैं। सचमुच माँ तो माँ है !

विटामिन-डी की उपयोगिता

सूर्य की उल्ट्रावायलट किरणों के प्रभाव से शरीर में विटामिन बनने की क्षमता के कारण इसे धूप का विटामिन भी कहा जाता है।

यह सफेद, गंध रहित, वसा में घुलनशील विटामिन है। अम्ल, क्षार, ताप आदि से अप्रभावित रहता है। यही कारण है कि भोजन पकाने के विभिन्ना क्रियाओं के दौरान भी इसे कोई हानि नहीं होती।

विटामिन-डी के कार्य

कैल्शियम व फास्फोरस के अवशोषण में सहायक- विटामिन-डी शरीर में कैल्शियम व फास्फोरस के अवशोषण को नियंत्रित करता है। विटामिन डी की कमी से कैल्शियम व फास्फोरस का अवशोषण शरीर में कम हो जाता है जिसके कारण ये पोषक तत्व शरीर में मल द्वारा निष्कासित हो जाता है।

रक्त में कैल्शियम व फास्फोरस की उचित मात्रा : विटामिन 'डी' में कैल्शियम व फास्फोरस की मात्रा नियंत्रित करता है। हड्डियों में उपस्थित कैल्शियम व फास्फोरस आवश्यकता पड़ने पर पुन: रक्त में मिल जाता है।

स्त्रोत

अंडा, दूध, पनीर, मछली का तेल, दही आदि।

विटामिन-डी की कुछ मात्रा

शरीर में धूप द्वारा भी पहुँचती है। जब सूर्य की उल्ट्रावायलेट किरणें त्वचा की वसा में उपस्थित कॉलेस्ट्रोल पर पड़ती है तो विटामिन 'डी' का निर्माण होता है। इसी कारण मालिश के बाद भी थोड़ी देर सुबह की धूप में बैठना लाभदायक रहता है।

शरीर में उचित वृद्धि हेतु : शरीर में विकास के लिए विटामिन 'डी' अति आवश्यक है।

अस्थियों के निर्माण में सहायक

यह अस्थियों में मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ अस्थियों में कैल्शियम फास्फेट को जमा करने में भी मदद करता है। विटामिन डी की कमी से हड्डियों में कैल्शियम फास्फेट अच्छे से संग्रहित नहीं हो पाता जिसके कारण अस्थियाँ मुलायम होकर टूटने लगती है।

दाँतों को स्वस्थ रखने में सहायक।

चेचक तथा काली खाँसी से बचाव करता है।

विटामिन-डी की कमी से होने वाले रोग

इस विटामिन की कमी से बच्चों में रिकेट्स व वयस्क में ओस्ट्रोमलेशिया रोग हो जाता है।

सिकेट्स: बच्चों में विटामिन की कमी से हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती हो जाती है जिससे हड्डियाँ कोमल होकर वक्राकार हो जाती है। इसके अतिरिक्त बच्चा चिड़चिड़ा दुखी व नींद कम आने के साथ-साथ अन्य बीमारियाँ भी हो जाती हैं।

वयस्क में ऑस्टियोमलेसिया: अस्थियाँ कोमल व वक्र होने के साथ-साथ रीढ की हड्डी झुक जाती हैं। दाँतों का विकास ठीक से नहीं हो पाता। उनमें काला-काला पदार्थ जमने लगता है। हड्डियों में फ्रेक्चर होने की संभावना बढ जाती है।

विटामिन डी की अधिकता से हानि

इसकी अधिकता से भूख कम, जी मिचलाना, प्यास ज्यादा आदि की समस्या बढ जाती है। विटामिन डी की अधिकता से किडनी, धमनियों व फेफड़ों में भी अवरोध पैदा होता है। जिसका परिणाम मृत्यु भी हो सकता है।

दैनिक मात्रा

शैशवावस्था व स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए 10 माइक्रोग्राम, बड़े बच्चों व वयस्क में 5 माइक्रोग्राम/ गर्भवती व दुग्धपान कराने वाली स्त्री में 10 माइक्रोग्राम की आवश्यकता होती है।

अत: विटामिन-डी शरीर के लिए अति आवश्यक है। इसे दैनिक आहार तालिका में जरूर शामिल करना चाहिए।

हेल्थ प्लस

सीधे किचन से... प्राकृतिक रसायन है लहसुन

सदियों से भारतीय जन-जीवन में लहसुन का विभिन्ना रोगों में औषधिमूलक प्रयोग होता आ रहा है। लहसुन को गरीबों का 'मकर ध्वज' कहा जाता है, क्योंकि इसका लगातार प्रयोग मानव जीवन को स्वास्थ्य संवर्धक स्थितियों में रखता है।

- ♣ कर्णशूल में लहसुन और अदरक बराबर की मात्रा में लेकर अच्छी तरह कूटकर रस कपड़े में छान लें। इसे कुनकुना कर कान में डालें।
- ♣ गला बैठ रहा हो तो कुनकुने पानी में लहसुन का रस मिलाकर गरारे करें।
- ♣ मितली आने पर लहसुन की कलियाँ चबा लें। लहसुन के हरे पत्तों की चटनी भी लाभकारी होती है।
- ♣ महिलाओं में दूध कम आता हो तो शुद्ध घी या ताजे दूध के साथ लहसुन का प्रयोग करना चाहिए।
- ♣ मलेरिया के रोगी को भोजन से पहले तिल के तेल में भुना लहसुन खिलाना चाहिए।
- ♣ पुराने घाव, गाँठों या फोड़ों पर लहसुन को सिरके में पीसकर बाँधने से या तो वह पककर फूट जाएगा या ठीक हो जाएगा।
- ♣ कटने या हल्के घावों पर इसका रस लगाने से घाव भर जाता है।

शहतूत

गर्मियों में बहुत कम समय के लिए मिलने वाला शहतूत बहुत ही गुणकारी फल है। शहतूत को औषधीय फल माना गया है। इसकी पत्तियों में विटामिन-सी, डी, बी, कैरोटीन, फोलिक एसिड व केल्शियम प्रचुर मात्रा में मिलते हैं।

- ♣ शहतूत के ताजा पके हुए फलों का शर्बत बनाकर पीने से तुरंत ऊर्जा मिलती है और थकान दूर होती है। इसे ज्वर में प्यास लगने पर भी दिया जाता है। ठंडाई-में इसका रस मिलाकर पीने से तरावट मिलती है।

- ♣ शहतूत के पत्ते, तने या जड़ की छाल को पीसकर शहद के साथ 1 चम्मच रोजाना लेने से पेट के कृमि निकल जाते है व पेट संबंधी अन्य समस्या भी ठीक होती है।
- ♣ यह खाँसी, जुकाम, गले के रोग व कफ को कम करने में सहायक है।
- ♣ इससे रक्त शुद्ध होता है-और पाचन शक्ति बढ़ती है।
- ♣ शहतूत का पेस्ट मुँह में लगाने से मुँह के छालों में राहत मिलती है।
- ♣ नाक से खून बहने पर नियमित रूप से शहतूत खाने से लाभ होता है।

पाल्पिटेशन

दिल के तेजी से या अनियमित रुप से धड़कने को घबराहट-या पाल्पिटेशन कहते हैं। बुजुर्गों में धड़कन की गति तेज मुख्य रुप से हृदय संबंधी परेशानियों के कारण होती हैं। कसरत करते हुए दिल का तेजी से धड़कना एक सामान्य घटना है। व्याकुलता के कारण भी अक्सर दिल की धड़कन बढ़-जाती है। यह गंभीर हृदय रोग या थायरॉइड-ग्रंथि के अधिक सक्रिय होने का लक्षण भी हो सकता है। युवा और फिट लोगों में कैफीन, निकोटिन, शराब या तनाव के कारण दिल की धड़कन की गति तेज हो सकती है। कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव के कारण भी दिल की धड़कन की गति बढ़ जाती है। धड़कन तेज होने पर सांसें फूलना, सीने में तनाव आने के साथ चक्कर भी आ सकते हैं। ऐसे में जल्द से जल्द चिकित्सकीय सलाह लेना चाहिए। पाल्पिटेशन कई-कारणों से हो सकता है, इसीलिए इलाज भी विभिन्ना कारणों के अनुरूप किया जाता है। हृदय रोग के कारण अगर दिल की धड़कन तेज हुई है तो इसके लिए दवाएँ दी जाती हैं। तनाव कम करने के लिए भी चिकित्सक औषधियाँ सझा सकता है।

सुंदर दिखने की चाहत और आंतरिक दमक

सुंदर दिखने की चाहत को पूरा करने के लिए क्या-क्या नहीं किया जाता। शादी से पहले कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट कराने की बात कुछ दशक पहले तक विज्ञान कथाओं की फंतासी जैसी लगती थीं। अब ऐसा नहीं है। आधुनिक सौंदर्य चिकित्सा विज्ञान की कई नई खोजें अब देश में इलाज के तौर पर उपलब्ध हैं। चेहरे के छोटे से छोटे दाग या धब्बे को अब आसानी से हटाया जा सकता है। कोई यह नहीं जान पाता है कि रिसेप्शन के मौके पर मुस्कुराकर दोस्तों और रिश्तेदारों का स्वागत करने वाले इस दंपति ने चेहरे की दमक हासिल करने के लिए कौन सा कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट लिया है। चेहरे को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए किए जा रहे इस तरह के उपचार की अपनी सीमाएँ हैं और परिणाम भी मिले-जुले होते हैं। किसी जमाने में शादी से पहले देशी उबटन और लेप लगाना ही पर्याप्त होता था। कुछ वर्षों पहले तक दूल्हे और दुल्हनों के फेशियल, पेडिक्योर और मेनिक्योर से ही काम चल जाता था। आज पूरे शरीर के लिए सौंदर्य वृद्धि के संसाधन मौजूद हैं।

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि जो व्यक्ति स्वस्थ होता है वह स्वाभाविक तौर पर सुंदर दिखता है। आंतरिक सौंदर्य की दमक चेहरे से झलकती है। ऊपरी तौर पर कराए गए किसी भी उपचार का असर स्थाई नहीं होता। योग, ध्यान, साधना नाड़ी एवं रक्तशुद्धि के लिए की गई क्रियाएँ दीर्घकालीन स्वास्थ का रास्ता साफ करती हैं। कांतिवान चेहरा भरपूर नींद और स्वस्थ पाचन क्रिया की पहचान है। सौंदर्य प्रसाधन एवं सुंदरता बढ़ाने के लिए कराए गए उपचार से कुछ देर तक काम चलाया जा सकता है लेकिन दीर्घकालीन नतीजे संपूर्ण स्वास्थ से ही हासिल किए जा सकते हैं।

बर्बरता की ओर सफर?

यह भारतीय समाज के लिए आत्म–मंथन का विषय है कि आखिर आज ऐसा माहौल कैसे बन गया है, जिसमें प्रभुत्वशाली लोग इतना बेखौफ हो गए हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार की मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस बात का श्रेय दिया जाएगा कि उन्होंने मानवता को शर्मसार करने वाली घटना पर दलगत भावना से ऊपर उठ कर तुरंत 'कठोरतम' कार्रवाई का आदेश दिया। नतीजतन मंगलवार रात असभ्यता और क्रूरता की मिसाल बने उस भाजपा नेता को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसने सरेआम एक आदिवासी नौजवान पर पेशाब किया था। उस पर कानूनी सख्त धाराएं लगाई गई हैं, इसलिए यह उम्मीद रखनी चाहिए कि यह सिर्फ फौरी और दिखावटी कार्रवाई नहीं है। बहरहाल, यह वर्तमान भारतीय समाज– और खासकर सत्ताधारी दल और उसके सहमना संगठनों के लिए आत्म–मंथन का विषय है कि आखिर आज समाज में ऐसा माहौल कैसे बन गया है, जिसमें प्रभुत्वशाली लोग इतना बेखौफ हो गए हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार की मनमानी करने में कोई हिचक नहीं होती? तमाम पुरातन समाजों की तरह भारतीय पारंपरिक समाज में भी वर्चस्व और मजबूत लोगों के लिए निर्भय होकर किसी प्रकार का व्यवहार करने का सिस्टम रहा है।

सभ्यता के विकास के साथ इस तरह के बर्बर व्यवहारों पर लगाम लगाने के प्रयास किए गए। कानून का राज करने और संविधान को सर्वोपरि बनाने की कोशिशें इसी मकसद का हिस्सा रही हैं। लेकिन गुजरे कुछ वर्षों में खुद सत्ता में बैठे लोगों ने कानून के राज का अनादर करने जैसी नीतियां अपना रखी हैं। इससे यह संदेश गया है कि अगर आप सत्ता पक्ष के साथ हैं और आपका संबंध प्रभुत्वशाली वर्ग से है, तो आप निर्भय होकर कोई भी व्यवहार कर सकते हैं। ताजा घटना के सिलसिले में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अपराधी का कोई धर्म, जाति या पार्टी नहीं होती। उनसे अपेक्षित है कि यही बात वे किसी मुस्लिम अपराधी के संदर्भ में भी कहें। किसी एक व्यक्ति के अपराध के पूरे समुदाय को लांछित करने की चल रही प्रवृत्ति का विरोध उनके जैसे ऊंचे पदों पर बैठे लोग हर स्थिति में करें, तो भारतीय समाज में आ रही वैसी गिरावटों पर रोक लग सकती है, जिसकी एक मिसाल फिलहाल मध्य प्रदेश में देखने को मिली है। वरना, सभ्यता से बर्बरता की तरफ हो रही यात्रा को रोकना कठिन बना रहेगा।

अध्यादेश पर भी कांग्रेस ने फैसला नहीं किया

कांग्रेस पार्टी की एक अहम बैठक पिछले हफ्ते हुई थी। आमतौर पर संसद की रणनीति समिति की बैठक सत्र शुरू होने के समय होती है लेकिन इस बार सत्र की घोषणा के साथ ही कांग्रेस की संसदीय रणनीति समूह की बैठक हुई। सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड×गे की मौजूदगी में हुई बैठक में संसद के मॉनसून सत्र की रणनीति पर चर्चा की गई। इसमें मुख्य रूप से कांग्रेस के सामने दो मुद्दे थे। पहला मुद्दा समान नागरिक संहिता का था और दूसरी दिल्ली सरकार से जुड़े केंद्र के अध्यादेश का था। दोनों मुद्दों पर कांग्रेस ने अपना रुख तय नहीं किया है। समान नागरिक संहिता पर कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं ने विचार किया। बताया जा रहा है कि इस पर यह सहमति बनी कि पार्टी सोच समझ कर इस मामले में फैसला करेगी। जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी के कई नेता नहीं चाहते हैं कि कांग्रेस इसका विरोध करे। क्योंकि इससे बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं के नाराज होने का खतरा है। समर्थन करने पर अल्पसंख्यक मतदातओं की नाराजगी का खतरा है। इसलिए कांग्रेस के लिए इसका फैसला आसान नहीं होगा। इसी तरह की स्थिति अध्यादेश के मामले में भी है। कांग्रेस के ज्यादातर नेता नहीं चाहते हैं कि कांग्रेस किसी तरह से आम आदमी पार्टी के साथ दिखे। इसलिए अध्यादेश के मसले पर भी कांग्रेस नेता तटस्थ रुख रखने की वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि न केंद्र के अध्यादेश का समर्थन करना है और न विरोध करना है। यानी केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों से समान दूरी रखनी है। सैद्धांतिक रूप से अध्यादेश का विरोध करने के बाद हो सकता है कि पार्टी वोटिंग से दूर रहे। लेकिन इसका फैसला सत्र शुरू होने पर जब बिल आएगा तभी किया जाएगा।

भाजपा के एजेंडे पर कांग्रेस की दुविधा

● अजीत द्विवेदी

कांग्रेस पार्टी समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर दुविधा में है। इस पर विचार के लिए पार्टी के आला नेताओं की बैठक हुई थी, जिसमें किसी रणनीति पर सहमति नहीं बनी। यह बहुत कमाल की बात है कि भारतीय जनसंघ के जमाने से चले आ रहे भारतीय जनता पार्टी के जितने भी पुराने, महत्वपूर्ण और घोषित मुद्दे रहे हैं उन पर कांग्रेस पार्टी हमेशा दुविधा में रही है या असहज रही है। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि कांग्रेस ने कभी भी उन मुद्दों का खुल कर विरोध नहीं किया है। उलटे ऐसा भी हुआ है कि उन मुद्दों पर आगे बढ़ कर कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि वे भी इस पर अमल करने जा रहे थे या उन्होंने ही इसकी पहल की थी। ध्यान रहे भारतीय जनसंघ और भाजपा के तीन कोर मुद्दे थे और आजादी के समय से चले आ रहे थे। इनमें पहला अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण का था। दूसरा, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की समाप्ति का और तीसरा समान नागरिक संहिता का। यह जानना बहुत दिलचस्प है कि कांग्रेस ने इन तीनों मुद्दों का विरोध नहीं किया है, बल्कि दबी जुबान में समर्थन किया है। कांग्रेस ने ऐसा क्यों किया, इस पर चर्चा से पहले यह देखना दिलचस्प होगा कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की क्या प्रतिक्रिया रही थी।

जब अयोध्या की विवादित जमीन को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और राम जन्मभूमि मंदिर बनने का रास्ता साफ हुआ तो कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। कांग्रेस ने आधिकारिक बयान में कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करती है। उसने सभी समुदायों से संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और भाईचारे की भावना का पालन करने और शांति व सद्भाव बनाए रखने की अपील की। ऐसा इसलिए नहीं हुआ कि कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट का बहुत सम्मान करती है, बल्कि इसलिए हुआ क्योंकि यह राजनीतिक रूप से बे-हद संवेदनशील मुद्दा है और इसका विरोध करना कांग्रेस को व्यापक हिंदू समाज में अछूत बना सकता था। सो, बहुसंख्यक हिंदू समाज का ध्यान रखते हुए कांग्रेस ने फैसले का स्वागत किया। इतना ही नहीं कांग्रेस के नेताओं ने आगे बढ़ कर कहा कि राजीव गांधी के समय मंदिर का ताला खुला था और कांग्रेस ने हिंदुओं को पूजा का अधिकार दिलाया था। इस तरह कांग्रेस ने बहुत दयनीय सा प्रयास किया कि मंदिर निर्माण का श्रेय अकेले भाजपा और नरेंद्र मोदी को नहीं मिलने दिया जाए। हालांकि वह इसमें असफल रही।

इसके बाद आया जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त करने का फैसला। कांग्रेस ने शुरू में इसका विरोध किया लेकिन पार्टी के ही कई नेताओं ने पार्टी लाइन से अलग हट कर इसका समर्थन कर दिया। बाद में कांग्रेस ने भी इस मसले पर चुप्पी साध ली। कांग्रेस का विरोध सिर्फ जम्मू कश्मीर के बंटवारे और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने तक सीमित रह गया। अगस्त 2019 में जब केंद्र ने अनुच्छेद 370 समाप्त करने का फैसला किया तब गुलाम नबी आजाद राज्यसभा में कांग्रेस के नेता थे। उन्होंने इसे राज्य की जनता के साथ विश्वासघात बताया। लेकिन आज वे कहां हैं और अनुच्छेद 370 पर क्या कह रहे हैं वह सबको पता है। कांग्रेस के दूसरे बड़े नेता पी चिदंबरम ने इसका विरोध करते हुए सिर्फ इतना कहा कि अनुच्छेद 370 हटा कर सरकार उन ताकतों को हवा दे रही है, जिन्हें वह नियंत्रित नहीं कर पाएगी। कांग्रेस नेता जनार्दन द्विवेदी, दीपेंद्र हुड्डा, आचार्य प्रमोद आदि ने फैसले का समर्थन किया था। जब इस फैसले के बाद बकौल अमित शाह एक कंकड़ भी नहीं चला तो कांग्रेस पार्टी भी चुप हो गई। उलटे कांग्रेस के नेताओं ने सार्वजनिक रूप से कहा कि पिछले 70 साल में जम्मू कश्मीर में कई कानूनी प्रावधान बदल गए हैं। कांग्रेस ने बताया कि अब वहां के मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री नहीं कहा जाता है। कांग्रेस ने दावा किया कि वह भी धीरे धीरे अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर रही थी, जबकि भाजपा सरकार ने एक झटके में उसे खत्म कर दिया। अब कांग्रेस अनुच्छेद 370 बहाली की बात नहीं करती है, बल्कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और चुनाव की मांग करती है। इस मामले में भी कांग्रेस के समर्थन का कारण वहीं रहा, जो राम जन्मभूमि मंदिर के मामले में था।

अब तीसरा मामला समान नागरिक संहिता का है और कांग्रेस इसे लेक-र भी दुविधा में है। उसको पता है कि राममंदिर और अनुच्छेद 370 की तरह समान नागरिक संहिता का मुद्दा भी देश के बहुसंख्यक हिंदुओं के दिमाग में दशकों से पकता रहा है और बहुसंख्यक हिंदू इस बात से सहमत हैं कि सबके लिए एक कानून होना चाहिए। उनको पता नहीं है कि विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेने और संपत्ति के बंटवारे का एक जैसा कानून होने से उनको क्या नफा-नुकसान है। लेकिन उनको समझाया गया है कि इससे मुसलमानों में बहुविवाह रूक जाएगा और फिर जनसंख्या नियंत्रण आसान हो जाएगा और फिर हिंदू सुरक्षित हो जाएंगे। अपने देश में उनके अल्पसंख्यक हो जाने का कथित खतरा समाप्त हो जाएगा। सो, इसका विरोध करना कांग्रेस के बहुसंख्यक हिंदू मतदाताओं की नजर में हिंदू विरोधी साबित करेगा। दूसरे, संविधान के अनुच्छेद 44 में नीति निदेशक तत्वों में समान नागरिक संहिता की बात कही गई है। इसलिए भी कांग्रेस के सामने यह दुविधा है कि उसके पूर्वजों ने जिसकी जरूरत बताई थी उसका विरोध कैसे करें?

सो, ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस इस मामले में भी राम जन्मभूमि मंदिर और अनुच्छेद 370 जैसे रवैया अपना सकती है। वह अगर खुल कर इसका समर्थन नहीं करती है तो 'नरो वा कुंजरो' किस्म का रुख अख्तियार कर सकती है। यानी दोनों तरह के मैसेज दे सकती है। वह बीच का रास्ता अख्तियार करते हुए इसका विरोध करने की बजाय ऐसे मुद्दों पर जोर देगी, जिससे सरकार असहज होगी और हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग का समर्थन उसको मिलेगा। मिसाल के तौर पर संपत्ति के बंटवारे का मामला है। आदिवासी संस्कृति और मान्यताओं का मामला है। सिख समुदाय की संवेदनशीलता का मामला है। कुल मिला कर कांग्रेस इस मामले में सरकार का खुला विरोध करने की बजाय संभावित बिल की बारीकियों में जाएगी और उसके कुछ प्रावधानों का विरोध करेगी और इसे राजनीतिक एजेंडा बताएगी। पहले दोनों मुद्दों की तरह कांग्रेस के कुछ नेता इसका समर्थन भी करने लगे हैं। हिमाचल सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इसका समर्थन किया है। असल में ये तीनों मुद्दों ऐसे हैं, जिन पर कांग्रेस या कोई भी पार्टी खुल कर विरोध नहीं कर सकती है क्योंकि आजादी के बाद राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी के प्रचार की वजह से व्यापक हिंदू समाज में इन्हें लेकर एक धारणा बनी हुई है। उस लोकप्रिय धारणा से अलग हट कर कोई भी लाइन लेना पार्टियों के लिए आत्मघाती होगा। कांग्रेस के सामने इस वजह से भी दुविधा है कि उसको अलग अलग राज्यों में चुनौती दे रही आम आदमी पार्टी ने इसका समर्थन किया और उसकी सहयोगी शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट ने भी इसका समर्थन किया है। नीतीश कुमार मीडिया के सवाल टाल रहे हैं लेकिन उनका रुख भी समर्थन का ही होगा। सो, कांग्रेस अलग थलग भी नहीं पडना चाहती है और न ओवैसी की लीग में शामिल होने का जोखिम ले सकती है।

सरकार ने क्यों नहीं नौ वर्षों में समान नागरिक संहिता बनवाई?

● हरिशंकर व्यास

कैसी बेहूदगी है! नौ वर्षप्रधानमंत्री पद पर रहने के बाद नरेंद्र मोदी अब बात कर रहे हैं कि एक घर, दो कानून नहीं चलेगा!भला उन्हें किसने रोका था, संविधान के इस निर्देशक सिद्धांत (अनुच्छेद44) केसंकल्प में अमल से? दो टूक यहभी सत्य है कि सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कॉमन सिविल कोड बनाने के लिए कहा है। बकौल खुद नरेंद्र मोदी-सुप्रीम कोर्ट डंडा मारता हैज्लेकिन वोट बैंक के भूखे लोग अड़ंगा लगा रहे हैं! लेकिन हम चाहते हैं!

तो रोका किसने और कब था? क्या मोदी सरकार लोकसभा-राज्यसभा में एक देश, एक विधान के कानून प्रस्ताव की मंजूर नहीं करा सकती? क्या राष्ट्रपति उस पर दस्तखत नहीं करेंगे? क्या वैसी कोई बाधा है जैसी पंडित नेहरू जब हिंदू कोड बिल पास करा रहे थे तब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद का मन नहीं मान रहा था?

ऐसी कोई बाधा, कोई किंतु-परंतु नरेंद्र मोदी और अमित शाह, भाजपा-संघ-संविधान-सुप्रीम कोर्ट की ओर से नहीं है। एक देश, एक विधान के संकल्प में ही गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाई (हालांकि इस मामले में भी कुछ और राज्यों के विशेष दर्जे की धाराओं को हटाए बिना)। राज्य का पुर्नगठन किया। तब क्यों व्यर्थ में अब कानून और व्यवस्था की अलग-अलग असमानताओं, दर्जे को मिटाने में नरेंद्र मोदी और अमित शाह विरोधी दलों व मुसलमानों को ललकार रहे हैं?क्यों नहीं बिना हल्लेबाजी के संसद में सीधे रखें नए कानून का प्रस्ताव और उसे पास करा कर अपने आपको बुनियादी परिवर्तनकारी, प्रगतिशील साबित करें?रूढिवादियों, अंधविश्वासियों व परंपरावादियों पर हथौड़े चलाएं।

संविधान से साफ निर्देश है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा है और सुप्रीम कोर्ट की मौजूदा तासीर में तो समान लिंग में विवाह पर विचार तक की हिम्मत है तो भला समान नागरिक संहिता का कानून बनाने पर क्यों मोदी व भाजपा को विपक्ष पर दोषारोपण करना चाहिए?क्यों मुस्लिम-आदिवासी और कठमुल्ला हिंदू संगठनों की परवाह करनी चाहिए? क्योंकर यह नौटंकी है जो राज्य सरकारों में अलग-अलग प्रस्ताव से नागरिक संहिता बनाने का ढोंग रचा जा रहा है?

इसलिए क्योंकि बातें बनाकर, मुसलमान के विरोध का हल्ला बना कर हिंदुओं में इन्हें अपनी वोट राजनीति पकानी है। पूरे देश में हल्ला बना रखा है कि मुसलमान ज्यादा बच्चे पैदा कर रहे हैं। इनकी आबादी को रोकना जरूरी है। इसलिए भारत के हर नागरिक को देश के एक कानून से परिवार-जीवन को एक विधान में, शादी, तलाक, संपत्ति के मामले को एक सांचे में ढालेंगेतभी मुसलमानों की आबादी बढ़ना रूकेगी। मतलब यह कि समान नागरिक संहिता मुसलमान की आबादी को रोकने का ब्रह्मास्त्र है। यदि ऐसा है तो मोदी सरकार ने नौ वर्ष से इस कानून का डंडा हवा में क्यों लटका रखा है? इसका कानून क्यों नहीं बना डाला?

इसलिए ताकि मुसलमान, कांग्रेस और विपक्ष के विरोध का हल्ला बने।

सू- दोकू क्र.118

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.117 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -118

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

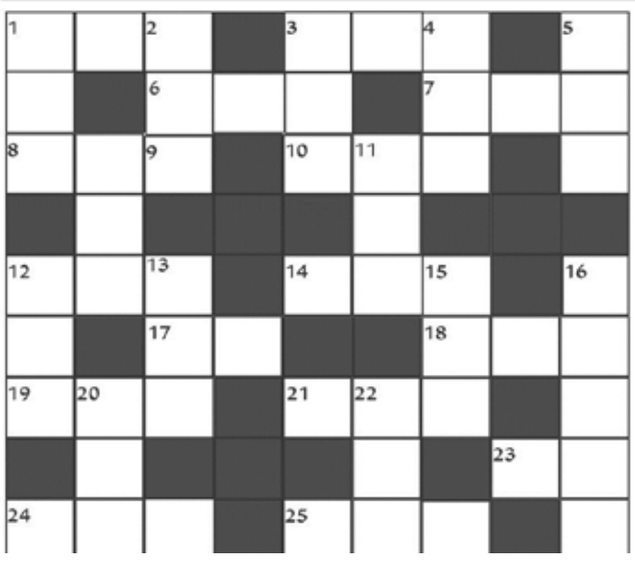

शब्द सामर्थ्य क्रमांक117 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

आज का राशिफल

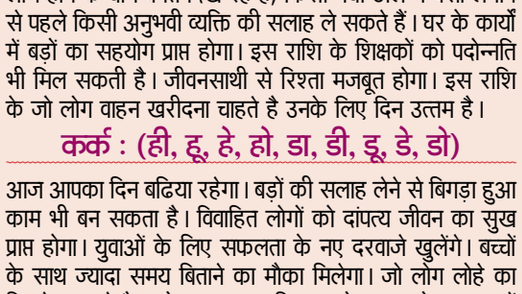

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आज आपका मन आनंदित रहेगा। जो लोग कपड़े का बिजनेस करते है आपको उम्मीद से ज्यादा लाभ मिल सकता है। लम्बे समय से चली आ रही स्वास्थ संबंधी समस्याओं का अंत होगा। इंजीनियरिंग कर रहे छात्रों को किसी अच्छी कंपनी से जॉब के लिए कॉल आ सकता है। आपको कुछ धार्मिक कार्य करने का मौका मिल सकता है। व्यस्त रहने से थकान महसूस हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृष : (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी , वु , वे, वो)

आज आपका दिन मनोनुकूल रहेगा तथा आप चिंतामुक्त रहेंगे। जो लोग जूतों का बिजनेस करते है उनके बिजनेस का विस्तार हो सकता है। जो छात्र कॉमर्स फील्ड से है उन्हें कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपके शिक्षक भी आपसे खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग सरकारी नौकरी में हैं उन्हें कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आर्थिक लाभ होने की ज्यादा संभावना है। सारी परेशानिया दूर होंगी, परिवार के साथ समय बिता सकते है।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापारी वर्ग के लोगों को आर्थिक लाभ होने के योग बनते दिख रहे है, किसी नयी डील में पैसा लगाने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं। घर के कार्यों में बड़ों का सहयोग प्राप्त होगा। इस राशि के शिक्षकों को पदोन्नति भी मिल सकती है। जीवनसाथी से रिश्ता मजबूत होगा। इस राशि के जो लोग वाहन खरीदना चाहते है उनके लिए दिन उत्तम है।

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

आज आपका दिन बढिया रहेगा। बड़ों की सलाह लेने से बिगड़ा हुआ काम भी बन सकता है। विवाहित लोगों को दांपत्य जीवन का सुख प्राप्त होगा। युवाओं के लिए सफलता के नए दरवाजे खुलेंगे। बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। जो लोग लोहे का बिजनेस करते है उनके व्यापार का विस्तार होगा। आपके स्वास्थ में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। बदलते मौसम का ध्यान रखने की जरुरत है। मुश्किलों का अंत होगा।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

आज आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। आप अपने सोचे हुये कार्यो को जल्दी पूरा कर लेंगे। जो लोग वकालत कर रहे है उनको कोई बड़ा केस मिल सकता है। आपको बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। महिलाओं के घर के काम समय से पूरे हो जायेंगे, जिससे उन्हे राहत मिलेगी। माता–पिता के आशीर्वाद से किये गये कार्यों में सफलता मिलेगी। अपनी वाणी पर संयम रखें, किसी के बीच में बोलने से बचना होगा।

कन्या : (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। जो लोग राजनीति में हैं उन्हें कोई बड़ा पद दिया जा सकता है। लोगों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी। छोटे स्तर पर व्यापार करने वालों को उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा। प्रेमियों के लिये दिन रिश्तों में मिठास दिलाने वाला रहेगा। साथी के साथ अच्छा समय बिता सकते है। जो लोग प्रॉपर्टी का काम करते है किसी अच्छी जमीन में पैसा लगा सकते है जिससे उन्हें लाभ होगा।

तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। जो लोग बिजनेसमैन हैं उन्हें आर्थिक उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकता है। अगर लम्बे समय से किसी बात को लेकर परेशान हैं तो उसे पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं। मन को शांति मिलेगी। पैसों से जुड़े लेन–देन करने से बचना होगा। किसी को बिना सोचे–समझे पैसा उधार देनें से बचें। छात्रों को शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे पढ़ाई में मन लगेगा। कुल मिलकर आपका दिन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जो लोग थियेटर और फिल्म लाइन में काम करते है आज उन्हें नई उपलब्धियाँ प्राप्त हो सकती हैं। विवाह योग्य पुरुषों के लिए कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है। आपको कोई प्रेम प्रस्ताव भी मिल सकता है। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब करते हैं उनको उच्च अधिकारी से तारीफ मिलेगी और नौकरी में प्रमोशन भी मिल सकता है। बच्चों के साथ शाम को खेलने में थोड़ा समय बिता सकते हैं।

धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। हर किसी को साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे। जो लोग वकील है आपको किसी पुराने केस में सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र में साथियों का सहयोग मिलेगा। जो लोग जमीन खरीदना चाहते है उन्हें आज फायदे का सौदा मिल सकता है। घर पर कोई धार्मिक आयोजन करवा सकते हैं। आपको कोई सामाजिक कार्य करने का मौका भी मिलेगा। आर्थिक स्थित्ति पहले से बेहतर होंगी।

मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)

आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। जीवन में आपको नया मुकाम प्राप्त होगा। जो लोग फैशन डिजाइनर है। उन्हें अच्छे काम के लिए सम्मानित किया जा सकता है। साथ ही जो लोग संगीत और गायन के क्षेत्र से जुड़े हैं समाज में उन्हें प्रसद्धि मिलेगी। आपको किसी बड़ी म्युजिक कंपनी से ऑफर भी मिल सकता है। आप नया व्यापार शुरू करना चाहते है तो दिन बहुत बढिया है, सफलता प्राप्त होगी। सेहत बढिया रहेगी।

कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

आज आपका दिन सुनहरा रहने वाला है। पूरे दिन प्रसन्नता बनी रहेगी। जो लोग सरकारी नौकरी कर रहे है, ऑफिस में उन्हें सहयोगियों की मदद मिलेगी। प्रॉपर्टी के कारोबार से जुड़े लोगों को उम्मीद से अधिक धन लाभ होने के आसार बन रहे हैं। लवमेट के लिए दिन काफी अच्छा है। जो युवक नौकरी की तलाश कर रहें हैं उन्हें अच्छी नौकरी मिलने की उम्मीद है। आपको किसी से उपहार मिलेगा। जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे।

मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

आज आपका दिन बहुत अच्छा रहने वाला है। जो लोग लेखक हैं आपके विचारों का सम्मान होगा, आपकी लेखनी की तारीफ हर जगह होगी। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना आपके लिये बहुत फायदेमंद रहेगा। किसी अपने के बारे में चिंता सताएगी। किसी पुराने परिचित से मुलाकात हो सकती है। समाजिक संगठन से जुड़े लोगों को समाज में उनका पद और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। हर काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। रोजगार की प्राप्ति के रास्ते साफ होंगे। पेट से सम्बंधित वेदना से बचें।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

सेहत के बारे में काफी कुछ बताती है नाक, जानिए कैसे

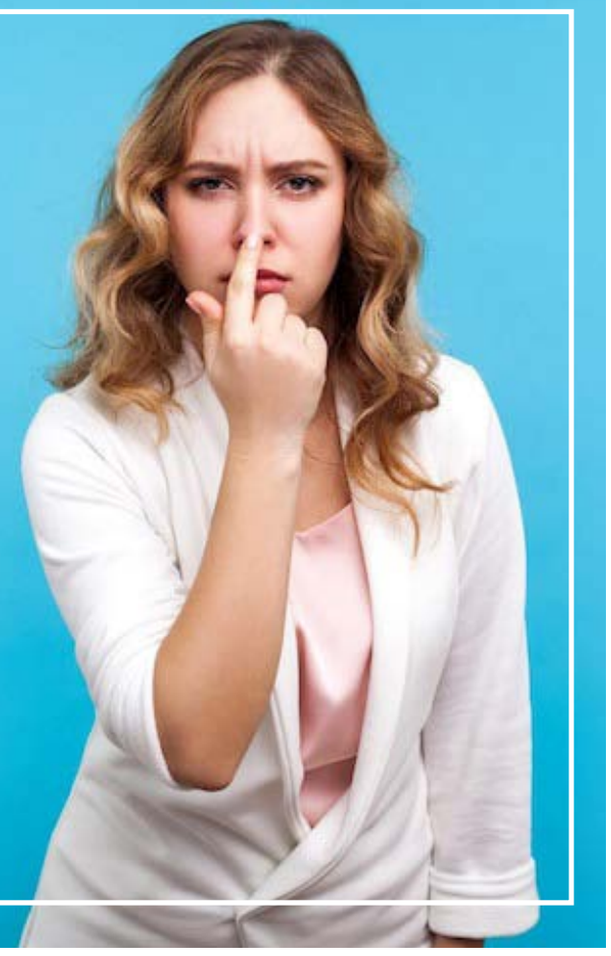

नाक सांस के लिए हवा प्रदान करने और सूंघने की क्षमता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सेहत के बारे में भी बहुत कुछ बताती हैं। यह अपनी स्थितियों के जरिए हमारे स्वास्थ्य का हाल बता सकती है। आपकी नाक मधुमेह से लेकर कोरोना वायरस जैसी महमारी तक विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के शुरुआती चेतावनी संकेत दे सकती है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि नाक किन-किन स्वास्थ्य जोखिमों की ओर इशारा करती है।

बहती नाक

लगातार बहती नाक का मतलब यह हो सकता है कि आपको सर्दी या फ्लू हुआ है। फ्लू होने पर आपको छींकें, नाक बंद होना और गले में खराश जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इनसे राहत पाने के लिए हर्बल चाय, शहद और अदरक का मिश्रण, हल्दी और तुलसी का पानी पीने जैसे घरेलू नुस्खों को अपनाना लाभदायक हो सकता है। फ्लू के अलावा कोविड-19 होने पर भी बहती नाक का सामना करना पड़ सकता है।

नाक से खून निकलना

नाक से खून आना विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों का संकेत दे सकता है। ऐसा साइनस होने पर भी हो सकता है। यह खोपड़ी में भरी हुई हवा होती है और यह माथे, नाक की हड्डी, गाल समेत आंखों के पीछे होती है। जब साइनस में सूजन या म्यूकस यानी बलगम जम जाती है तो इसमें कीटाणु पनपने लगते हैं, जो स्थिति को बिगाड़ सकता है। इसके अलावा एलर्जी, हीमोफीलिया जैसी समस्याओं के कारण भी नाक से खून आ सकता है।

सूंघने की क्षमता कम होना

सूंघने की क्षमता कमजोर होना विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। नेजल पॉलीप्स होने पर नाक की सूंघने की क्षमता कमजोर हो सकती है। कोविड-19, सर्दी या साइनस के कारण भी सूंघना मुश्किल हो सकता है। मधुमेह से ग्रस्त व्यक्ति में हाई ब्लड शुगर होने पर भी सूंघने की क्षमता को नुकसान हो सकता है। इसके अतिरिक्त यह मल्टीपल स्केलेरोसिस या मोटर न्यूरॉन रोग जैसी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों का प्रारंभिक संकेत भी हो सकता है।

असामान्य गंध महसूस करना

असामान्य गंध को फैंटोस्मिया भी कहा जाता है। यह एक गंध से संबंधित विकार है। इससे ग्रस्त व्यक्ति को अजीबोगरीब गंध महसूस होने लगता है। यह अमूमन दौरे, सिर में चोट, मस्तिष्क ट्यूमर या पार्किंसंस रोग जैसी स्थितियों के कारण हो सकता है। इसके अलावा साइनस होने पर भी आपको फैंटोस्मिया हो सकता है, जिससे चीजों की महक और स्वाद में बदलाव महसूस हो सकता है।

लाल नाक

लाल नाक रोसैसिया नामक स्वास्थ्य स्थिति का संकेत दे सकती है। इस स्थिति के कारण चेहरे का मध्य भाग लाल हो जाता है और समय के साथ, विशेष रूप से पुरुषों में नाक की त्वचा मोटी और लाल हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप राइनोफिमा नामक स्थिति होती है। गंभीर मामलों में यह नाक के आकार को भी प्रभावित कर सकता है और इससे सांस लेना मुश्किल हो सकता है।

फ्लोरल आउटफिट में रश्मि देसाई ने गिराई हुस्न की बिजलियां, हॉटनेस ऐसी की फैंस ने थामे दिल

एक्ट्रेस रश्मि देसाई आज किसी पहचान को मोहताज नहीं हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई किए रहती हैं। वहीं, उनकी लेटेस्ट फ्लोरल आउटफिट में तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। फ्लोरल आउटफिट में एक्ट्रेस रश्मि देसाई अपनी वन ऑफ शोल्डर और टोंड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। ओपन हेयर स्टाइल और सोख अदाओं के साथ एक्ट्रेस रश्मि देसाई गजब की बला लग रही हैं। मदमस्त अंदाज और कातिलाना फिगर देखकर फैंस आहें भरने को मजबूर हैं। रश्मि देसाई के चाहनेवालों को उनका अंदाज पसंद आता है। एथनिक से लेकर वेस्टर्न तक रश्मि हर आउटफिट में गजब ढाहती हैं। एक्ट्रेस रश्मि देसाई इस बोल्ड आउटफिट में बेहद ही कातिलाना नजर आ रही हैं। रश्मि देसाई टेलीविजन पर अपने अभिनय और किरदार के दम पर घर घर पहचान बनाने में कामयाब रहीं। रश्मि देसाई सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 6 मिलियन फॉलोवर्स हैं। रश्मि देसाई ने अपने करियर की शुरुआत भोजपुरी फिल्मों से की। इसके साथ ही एक्ट्रेस साल 2009 में हिंदी टीवी सीरियल उतरन में मुख्य भूमिका में नजर आ चुकी हैं।

म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए महिलाएं चुन सकती हैं ये 5 आउटफिट, लगेंगी बहुत खूबसूरत

म्यूजिक कॉन्सर्ट दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हैं। यहीं वजह है कि कई लोग बड़े उत्साह के साथ इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए उत्सुक रहते हैं। हालांकि, अवसर चाहें जो भी महिलाएं अपने आउटफिट को लेकर सबसे ज्यादा असमंजस में रहती हैं। अगर आप भी इसे लेकर सोच-विचार कर रही हैं तो आइए आज हम आपको कॉन्सर्ट के लिए 5 आउटफिट आइडिया और उन्हें स्टाइल करने के तरीके बताते हैं।

- **मिनी स्कर्ट के साथ मोटो जैकेट**

यह सदाबहार आउटफिट कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता है और कॉन्सर्ट के लिए एकदम बेहतरीन है। अपने लुक में ग्लैम जोड़ने के लिए एक क्लासिक ब्लैक मोटो जैकेट चुनें और इसे एक बेसिक सफेद टी-शर्ट या फिर न्यूड रंग की टी-शर्ट और एक मिनी स्कर्ट के साथ पहनें। इसके साथ ही कानों में बड़े सिल्वर हुप्स पहनें और एक स्टाइलिश बैकपैक समेत हिल्स बूट्स से लुक को पूरा करें।

- **क्रॉप टॉप के साथ कार्गो पैंट**

कार्गो पैंट न केवल स्टाइलिश और कूल दिखती हैं बल्कि आरामदायक भी होती हैं। अपने लुक को निखारने के लिए गहरे हरे, नेवी ब्लू या काले रंग की हाई वेस्ट कार्गो पैंट का चयन करना अच्छा हो सकता है। ध्यान रखें कि कार्गो पैंट ओवरसाइज्ड होती हैं, इसलिए पहनावे को संतुलित करने के लिए इसे एक अच्छी तरह से फिट हल्के रंग के क्रॉप टॉप के साथ पहनें। कूल कैप और सफेद स्नीकर्स के साथ अपने लुक को पूरा करें।

- **ओवरसाइज्ड डेनिम जैकेट के साथ बॉडीकॉन ड्रेस**

क्लासिक बॉडीकॉन ड्रेस का चयन करना कभी भी गलत नहीं हो सकता है। यह म्यूजिक कॉन्सर्ट और पार्टियों के लिए एकदम उपयुक्त आउटफिट है। हालांकि, इस बार ग्लैमर और दिवा लुक को छोड×कर अपनी बॉडीकॉन ड्रेस को कूल और कैजुअल तरीके से स्टाइल करें। एक फंकी रंग की ड्रेस चुनें और इसे एक बड़े आकार की डेनिम जैकेट के साथ पहनें। हाई-टॉप स्नीकर्स, एक घड़ी और एक अनोखे दिखने वाले फैनी पैक के साथ अपने लुक को पूरा करें।

- **सीक्वेंस फ्लेयर्ड पैंट के साथ क्रॉप टॉप**

अगर आप कुछ हटकर और ट्रेंडी ट्राई करना चाहती हैं तो पेल ग्रीन या पाउडर पिंक जैसे न्यूट्रल रंग का क्रॉप टॉप और सीक्वेंस वर्क वाली हाई-वेस्ट फ्लेयर्ड पैंट चुनें। आप सर्कल नेकलाइन, शॉर्ट पफ स्लीव्स और रुच्ड डिटेल वाली क्रॉप टॉप का विकल्प भी चुन सकती हैं। बोल्ड और ग्लैम लुक के लिए रेड या रॉयल ब्लू रंग के सीक्वेंस क्रॉप टॉप को भी ट्राई किया जा सकता है। बड़े हुप्स और सफेद स्नीकर्स से लुक को पूरा करें।

- **मेश टॉप के साथ पेंसिल स्कर्ट**

पेंसिल स्कर्ट आपको एक अच्छा आकार देने में मदद करती है। इसके साथ काले रंग का मैश टॉप पेयर करें और इसके अंदर काले रंग की ब्रालेट पहनें। यह आउटफिट आपकी खूबसूरती को निखारता है और आप इसे दिन के शो के दौरान भी पहन सकती हैं। अपने इसे लुक को पूरा करने के लिए कानों में स्टड्स पहनें और फुटवियर्स के तौर पर हाई हील्स को चुनें। इसके साथ में वेस्ट बैग को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं।

खतरों के खिलाड़ी मेरे जीवन का सबसे यादगार अनुभव है: नायरा बनर्जी

नायरा बनर्जी, जो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 की प्रतियोगी के रूप में अपने कार्यकाल के बाद दक्षिण अफ्रीका से वापस आ गई हैं, उन्हें लगता है कि शो की शूटिंग उनके जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। टीम हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में शूटिंग खत्म करके वापस आई है।

शो की शूटिंग के अपने अनुभव को साझा करते हुए, अभिनेत्री ने कहा यह एक पागलपन भरा अनुभव था। इस बार मौसम बहुत खराब था। सभी मौसमों में से, इस मौसम में सबसे खराब मौसम था। बहुत ठंड और हवा थी। यह बहुत था ऐसे तेज़ हवा वाले मौसम में हमारे लिए खड़ा होना और स्टंट करना मुश्किल है। लेकिन यह अनुभव हमेशा मेरे जीवन के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहेगा। रोहित शेट्टी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, रोहित सर बहुत प्रेरक हैं। अगर वह देखते हैं कि आप स्टंट करने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं तो वह आपको बेहतर करने के लिए प्रेरित करेंगे। लेकिन अगर वह देखते हैं, तो आप कोशिश भी नहीं कर रहे हैं जो वास्तव में परेशान करेगा। हालाँकि, इस बार सभी प्रतियोगी बहुत साहसी थे। इस बार शायद ही कोई गर्भपात हुआ हो। जब नायरा से पूछा गया कि क्या उन्होंने शूटिंग के दौरान कोई दोस्त बनाया तो उन्होंने कहा, अर्चना और ऐश्वर्या मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं। यहां तक कि शिव और अरिजीत भी मेरे बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं। फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 का प्रीमियर 15 जुलाई को कलर्स पर और डिजिटल रूप से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होने वाला है।